वर्ष-10 अंक-249 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, सोमवार 16 दिसम्बर 2024
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

संथाल लोग और झारखंड भारत के हृदय स्थल', दुमका दौरे पर बोले अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । दुमका के सेंट

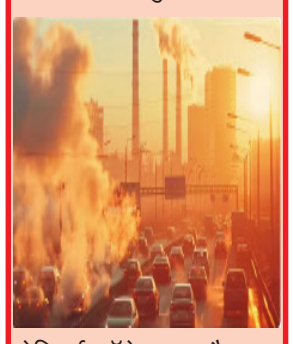

जेवियर्स कॉलेज का दौरा पर अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि संथाल लोग और झारखंड भारत के हृदय स्थल हैं, जहां लोग अपनी गहरी परंपराओं से जुड़े होते हैं और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की समझ रखते हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी और माल्टा के उच्चायुक्त रूबेन गौसी ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित एक अनौपचारिक यात्रा पर दुमका के महारो स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज का दौरा किया। जहां दोनों गणमान्यों का स्वागत संताली पारंपरिक लोक नृत्य के साथ किया गया। दुमका के सेंट जेवियर्स कॉलेज का दौरा पर अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि संथाल लोग और झारखंड भारत के हृदय स्थल हैं, जहां लोग अपनी गहरी परंपराओं से जुड़े होते हैं और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की समझ रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया को इन परंपराओं से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है, और जब भी वह भारत में आदिवासी समुदायों से मिलते हैं, तो उन्हें यह समझ में आता है कि कैसे लोग प्रकृति को संरक्षित करते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों पर गार्सेटी ने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लोकतंत्र और शांति की नींव है।

रिश्तेदार के पास कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी न करने के लिए उठाया खौफनाक कदम; काट डालीं अपनी चार उंगलियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अहमदाबाद । सूरत पुलिस की अपराध शाखा के मुताबिक, मयूर ने खुद को इसलिए नुकसान पहुंचाया, क्योंकि उसके पास इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह अपने रिश्तेदार को यह बता सके कि वह वराछा मिनी बाजार स्थित कंपनी अनभ जेम्स में अब काम नहीं करना चाहता। गुजरात में एक व्यक्ति ने रिश्तेदार की हीरा कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी करने से बचने के लिए खुद को ही खौफनाक दर्द दे डाला। उसने अपनी ही चार उंगलियां काट डालीं। सूरत पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने अपने बाएं हाथ की चार उंगलियां चाकू से सिर्फ इस वजह से काट लीं, ताकि वह इस नौकरी के लिए असमर्थ हो जाए। अधिकारियों ने बताया कि मयूर (32) ने पहले पुलिस को एक कहानी सुनाई थी कि वह सड़क के किनारे बेहोश होकर गिर गया था, जिसके बाद उसे अपनी उंगलियां कटी मिली थी।

हालांकि, घटना की जांच करने पर पता चला कि उसने खुद ही चाकू से अपनी उंगलियां काटी थीं।सूरत

पुलिस की अपराध शाखा के मुताबिक, मयूर ने खुद को इसलिए नुकसान पहुंचाया, क्योंकि उसके पास इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह अपने रिश्तेदार को यह बता सके कि वह वराछा मिनी बाजार स्थित कंपनी अनभ जेम्स में अब काम नहीं करना चाहता। पीड़ित इस कंपनी के लेखा विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर काम करता था और उंगलियों के कट जाने से अब वह यह नौकरी करने में समर्थ नहीं है।मयूर ने इससे पहले पुलिस को बताया था कि वह आठ दिसंबर को मोटरसाइकिल से अपने एक दोस्त के घर जा रहा था, तभी उसे चक्कर आया और वह अमरोली में वेदांत सर्कल के पास रिंग रोड पर बेहोश हो गया। मयूर ने पुलिस को बताया कि जब 10 मिनट बाद उसे होश आया तो उसके बाएं हाथ की चार उंगलियां कटी हुई थीं। इस घटना के संबंध में अमरोली पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया और सूरत पुलिस की अपराध शाखा को मामले की जांच सौंप दी गई। अधिकारी ने बताया कि मयूर ने कबूल किया कि उसने सिंगनपुर में चार रास्ता के पास एक दुकान से एक धारदार चाकू खरीदा था। वह चार दिन बाद रविवार रात को अमरोली रिंग रोड पर गया और अपनी मोटरसाइकिल वहीं खड़ी कर दी। उसने रात करीब 10 बजे चाकू से चार उंगलियां काट लीं और खून बहने से रोकने के लिए उसने कोहनी के पास एक रस्सी बांध दी। फिर उसने चाकू और उंगलियों को एक बैग में डालकर फेंक दिया। उसके दोस्त उसे अस्पताल ले गए।उन्होंने बताया कि एक बैग से उसकी तीन उंगलियां बरामद की गई हैं, जबकि एक अन्य बैग से चाकू बरामद किया गया। अमरोली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में पत्नी निकिता गुरुग्राम से गिरफ्तार; मां-भाई प्रयागराज से पकड़े गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । मराठाहल्ली पुलिस ने अतुल के भाई विकास कुमार की शिकायत पर अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया समेत चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। इसमें निकिता सिंघानिया, उनकी मां निशा सिंघानिया, भाई अनुराग सिंघानिया और चाचा सुशील सिंघानिया के नाम थे।अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मृतक की पत्नी निकिता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, तीनों को शनिवार की सुबह गिरफ्तार कर बंगलूरू लाया गया। यहां तीनों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कार्ट ने तीनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।डीसीपी व्हाइट फील्ड डिवीजन (बंगलूरू) शिवकुमार ने बताया कि अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में आरोपी निकिता

सिंघानिया को गुरुग्राम (हरियाणा) से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।दरअसल, पत्नी व उसके परिवार की प्रताड़ना और दो वर्ष में कोर्ट की 120 तारीखें इसके बावजूद न्याय न मिलने के कारण 34 वर्षीय आईटी पेशेवर अतुल सुभाष ने मौत को गले लगा लिया था। आत्महत्या को अंतिम विकल्प मानते हुए अतुल ने दुनिया से जाने से पहले करीब डेढ़ घंटे का वीडियो व 24 पन्ने का सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें शादीशुदा जिंदगी के सामाजिक तानेबाने की खामियां, साथी के लालच और षड्यंत्र की दास्तां, कानूनी महकमे में भ्रष्टाचार को उजागर किया था। मामले में मराठाहल्ली पुलिस ने अतुल के भाई विकास कुमार की शिकायत पर अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया समेत चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

नवंबर में लंदन में हुई थी हर्षिता की हत्या परिवार ने पति पर लगाया मर्डर का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । दिल्ली में पैदा हुई और पली-बढ़ी 24 वर्षीय हर्षिता इस साल अप्रैल में ही लंदन गई थी। हर्षिता की पंकज से बीते साल अगस्त में शादी हुई थी। हालांकि लंदन जाने के बाद से ही कथित तौर पर पंकज ने हर्षिता के साथ घरेलू हिंसा शुरू कर दी।बीते नवंबर में भारत की बेटी हर्षिता ब्रेला की लंदन में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और उसका शव एक कार की डिक्की से बरामद हुआ था। हर्षिता के परिवार ने उसके पति पंकज लांबा पर ही हत्या का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि पंकज हत्या करने के बाद भारत आ गया है। वे दिल्ली पुलिस से मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन न तो दिल्ली पुलिस और न ही लंदन पुलिस इस मामले में कुछ कार्रवाई कर रहे हैं। दिल्ली में पैदा हुई और पली-बढ़ी 24 वर्षीय हर्षिता इस साल अप्रैल में ही लंदन गई थी। हर्षिता

की पंकज से बीते साल अगस्त में शादी हुई थी। हालांकि लंदन जाने के बाद से ही कथित तौर पर पंकज ने हर्षिता के साथ घरेलू हिंसा शुरू कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परिवार का दावा है कि पकंज लंदन में घर खरीदना चाहता था और इसके लिए वह हर्षिता के परिवार से पैसों की मांग कर रहा था। हर्षिता की मां का कहना है कि हत्या से पहले हर्षिता ने फोन पर उन्हें बताया था कि पंकज उसके साथ मारपीट करता है और उसने बताया था कि पंकज उसकी हत्या कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परिवार ने दावा किया है कि हर्षिता की हत्या से कुछ हफ्ते पहले ही उसका गर्भपात हुआ था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल अगस्त में हर्षिता ने पंकज के खिलाफ लंदन में घरेलू हिंसा की पुलिस में शिकायत भी की थी, जिसके बाद पंकज को लंदन पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में सितंबर माह में पंकज को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। अब हत्या के मामले में लंदन पुलिस पंकज की तलाश कर रही है, लेकिन हर्षिता के परिवार का दावा है कि वह भागकर भारत आ गया है।

राहुल गांधी की प्रेरणा का स्त्रोत विदेश है', केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कांग्रेस नेता पर तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अमित शाह ने कहा कि जब भी संसद का सत्र होता है तो राहुल गांधी विदेश से एक नए मुद्दे के साथ लौटते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मुझे हैरानी भी नहीं होती।

मुझे पता है कि उन्हें विदेश से ही प्रेरणा क्यों मिलती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुद्दों को उठाने की राहुल गांधी की प्रेरणा का स्त्रोत विदेश है। जब भी संसद का सत्र होता है तो राहुल गांधी विदेश से एक नए मुद्दे के साथ लौटते हैं। अमित शाह ने एक टीवी कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी पर तंज कसा। अमित शाह ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि राहुल गांधी को हर बार प्रेरणा विदेश से मिलती है। इस देश में कैग है, विजिलेंस आयुक्त है, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट हैं, लेकिन इनकी तरफ से कभी आरोप नहीं आते। हर बार जब भी संसद का सत्र होता है, तो हमेशा विदेश से ही आरोप आते हैं और वे (राहुल गांधी) उनकी बात करते हैं। उनकी प्रेरणा का स्त्रोत विदेश से आता है, जिससे मुझे हैरानी भी नहीं होती। मुझे पता है कि उन्हें विदेश से ही प्रेरणा क्यों मिलती है।'अमित शाह का यह बयान अदाणी मामले के संदर्भ में माना जा रहा है। अमेरिकी सरकार के एक विभाग ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और उनकी कंपनी के कई लोगों पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोप लगाए थे।

विरोध के बीच भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । विंग सेवक नगालैंड और मणिपुर में सड़क निर्माण की देखभाल भी कर रहा है। मोरेह के पास भारत-म्यांमार सीमा पर केवल 10 किमी की बाड़बंदी की गई है। दरअसल भारत-म्यांमार सीमा हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए बदनाम है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने मणिपुर के तैंग्नोपॉल जिले में मोरेह कस्बे के नजदीक भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज कर दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि काम को चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। भारत और म्यांमार 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जिनमें 398 किमी मणिपुर में है। परियोजना

का काम बीआरओ की विंग सेवक की ओर से किया जा रहा है। विंग सेवक नगालैंड और मणिपुर में सड़क निर्माण की देखभाल भी कर रहा है। मोरेह के पास भारत-म्यांमार सीमा पर केवल 10 किमी की बाड़बंदी की गई है। दरअसल भारत-म्यांमार सीमा हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए बदनाम है। इस परियोजना को 31,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा।

15 राज्यों में शीतलहर, पारा 5 डिग्री तक लुढ़का; उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी का आगाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, महाराष्ट्र के विदर्भ, सौराष्ट्र और गुजरात के

कच्छ के ज्यादातर हिस्सों में शीतलहर का प्रकोप है। ठंड ने दक्षिणी और तटीय भारत के अलावा अन्य क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है।देश के 15 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के कई इलाकों में शीतलहर चलने के साथ उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का आगाज हो गया है। मैदानी राज्यों में बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 5 से 10 डिग्री तक पहुंच गया। राजस्थान और पंजाब में कुछ स्थानों पर तो पारा शून्य के नीचे दर्ज किया गया। पंजाब और मध्य प्रदेश में बेहद ठंडी हवाएं चल रही हैं।हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, महाराष्ट्र के विदर्भ, सौराष्ट्र और गुजरात के कच्छ के ज्यादातर हिस्सों में शीतलहर का प्रकोप है। ठंड ने दक्षिणी और तटीय भारत के अलावा अन्य क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान पंजाब के आदमपुर में 0.7 डिग्री दर्ज किया गया। राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में यह 1.3 और माउंट आबू में 1.4 डिग्री तक पहुंच गया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, पूर्वी राजस्थान और विदर्भ में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। अन्य स्थानों पर भी न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई है। पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर और मेघालय के कुछ इलाकों में बेहद घना कोहरा छाया रहा और दृश्यता 50 से 200 मीटर दर्ज की गई। मैदानी राज्यों में हालांकि अभी घने कोहरे से राहत है।देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर में भी न्यूनतम तापमान 1 डिग्री गिरा है। राजधानी के अलग-अलग जगह 6 से 8 डिग्री के बीच न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 से 3 डिग्री कम है। अधिकतम पारा सामान्य के करीब रहा। शुक्रवार और शनिवार को 20 किलोमीटर की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलीं।मौसम विभाग ने तीन दिन तक जम्मू-कश्मीर, यूपी, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ समेत पूरे उत्तर भारत में तेज शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

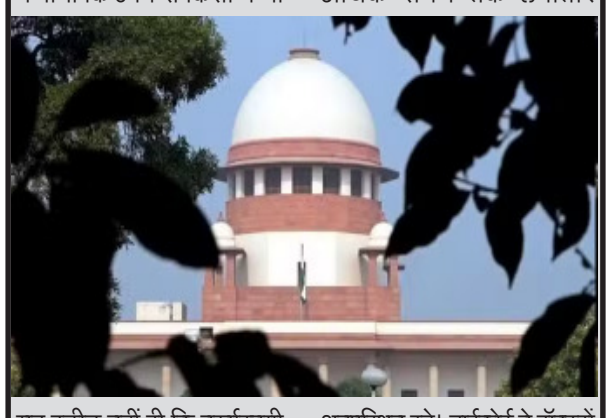

अनुपस्थिति पर बर्खास्त डॉक्टरों को एकमुश्त मुआवजा दे यूपी सरकार' सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की रिट याचिकाओं पर विचार करते हुए 3 मई, 2010 को जारी बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने पाया कि उनमें से किसी ने भी एकमुश्त मुआवजा दे, जिससे न्याय के हित पूरे होंगे।राज्य सरकार की अपील पर जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, यह स्वीकार्य तथ्य है कि डॉक्टर 4-5 साल से अधिक समय तक लगातार

यह दलील नहीं दी कि बर्खास्तगी के आदेश के बाद उनके पास कोई रोजगार नहीं था। यह भी नहीं कहा कि सेवा खत्म होने से उनकी कोई आय नहीं थी सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को संशोधित किया है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार को 2010 में लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के कारण बर्खास्त किए डॉक्टरों की सेवाएं बहाल करने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष कोर्ट ने कहा, राहत देने से पहले अधिकार क्षेत्र का हवाला देने वाले लोगों के आचरण पर विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया, राज्य सरकार डॉक्टरों को तीन महीने के अंदर 2.50-2.50 लाख रुपये का अनुपस्थित रहे। हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की रिट याचिकाओं पर विचार करते हुए 3 मई, 2010 को जारी बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने पाया कि उनमें से किसी ने भी यह दलील नहीं दी कि बर्खास्तगी के आदेश के बाद उनके पास कोई रोजगार नहीं था। यह भी नहीं कहा कि सेवा खत्म होने से उनकी कोई आय नहीं थी। पीठ ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट क्षेत्राधिकार हमेशा विवेकाधीन होता है और राहत देते समय व्यक्तियों के आचरण को ध्यान में रखना चाहिए।अपील में राज्य सरकार का तर्क था कि हाईकोर्ट ने सेवा समाप्ति के आदेश के तथ्यों को नजरअंदाज किया।

लोकसभा में कल विधेयक पेश करेगी सरकार, विपक्ष का विरोध; फिलहाल निकाय चुनाव बाहर रखने का फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । एक देश-एक चुनाव से जुड़े दो विधेयक 16 दिसंबर को सरकार लोकसभा में पेश करेगी।

विधेयक के मसौदे में बताया गया है कि एक साथ चुनाव कराना कई कारणों से जरूरी है। अलग-अलग चुनाव कराना बेहद खर्चीला है और पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को 12 दिसंबर को ही मंजूरी दी थी। देशभर में एक साथ चुनाव कराने की कवायद के तहत सरकार 16 दिसंबर को लोकसभा में एक देश एक चुनाव से जुड़े दो विधेयक पेश करने वाली है। मसौदा विधेयक में बताया गया है कि एक साथ चुनाव कराना कई कारणों से जरूरी है। एक तो अलग-अलग चुनाव कराना बेहद खर्चीला है और पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। मसौदे में यह भी कहा गया कि बार-बार चुनावों की वजह से विकास कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ता है और और आम जनजीवन भी बाधित होता है।संसद के निचले सदन में एक देश-एक चुनाव से जुड़े संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की तरफ से पेश किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं के चुनाव साथ कराने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को 12 दिसंबर को ही मंजूरी दी थी। मंत्रिमंडल ने जिन दो मसौदा विधेयकों को मंजूरी दी, उनमें एक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है, जबकि दूसरा विधानसभाओं वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव भी साथ ही कराने से जुड़ा है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए सदन में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जबकि दूसरे विधेयक के लिए सामान्य बहुमत जरूरी होगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली उच्चस्तरीय समिति ने तो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के साथ चरणबद्ध तरीके से नगर निकाय और पंचायत के चुनाव कराने का भी प्रस्ताव दिया था लेकिन मंत्रिमंडल ने फिलहाल निकाय चुनावों को इससे बाहर रखने का फैसला किया है।इस विधेयक में एक नया अनुच्छेद 82ए सम्मिलित करने का प्रस्ताव है जिसके मुताबिक, लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव और अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि), अनुच्छेद 172 (राज्य विधानमंडलों की अवधि) और अनुच्छेद 327 में (विधानमंडलों के चुनाव के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन किया जाना है। विधेयक में प्रावधान किया गया है कि इसके पारित होने पर आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक पर राष्ट्रपति की तरफ से एक अधिसूचना जारी की जाएगी और अधिसूचना की उस तारीख को नियत तिथि कहा जाएगा। सदन का कार्यकाल उस नियत तिथि से पांच वर्ष का होगा। नियत तिथि के बाद और लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल के खत्म होने पर समाप्त हो जाएगा। इसके बाद, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। विधेयक में कहा गया है कि लोकसभा या विधानसभा के पूर्ण कार्यकाल से पहले भंग होने की स्थिति में वर्तमान कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही चुनाव होगा। विधेयक में बताया गया कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव वर्ष 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में साथ हुए थे। 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण एक साथ चुनाव का क्रम टूट गया। विपक्ष एक देश एक चुनाव के विरोध पर अड़ा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार कहा, अगर इतनी ही जल्दी है तो संसद और सभी सरकारों को भंग करके पूरे देश का चुनाव करा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान पर चर्चा के लिए जब प्रधानमंत्री सदन आ रहे हैं तो इससे अच्छा मौका और क्या होगा। उधर तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि यह विधेयक लाना अन्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

जिला जेल नैनी से इटावा भेजा गया माफिया अतीक अहमद के अधिवक्ता विजय मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद अतरसुइया थाने में एक फर्नीचर व्यवसायी ने विजय मिश्र के खिलाफ तीन करोड़ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में 31 जुलाई 2023 को उसे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश करने के बाद केंद्रीय कारागार नैनी भेज दिया था माफिया अतीक अहमद के अधिवक्ता विजय मिश्र को जिला जेल से इटावा केंद्रीय कारागार ट्रांसफर कर दिया गया। शुक्रवार देर शाम जिला जेल नैनी को यह शासनादेश मिला। शनिवार को भारी सुरक्षा के बीच विजय मिश्र को इटावा केंद्रीय कारागार ले जाया गया। माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद अतरसुइया थाने में एक फर्नीचर व्यवसायी ने विजय मिश्र के खिलाफ तीन करोड़ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में 31 जुलाई 2023 को उसे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश करने के बाद केंद्रीय कारागार नैनी भेज दिया था।जिला जेल के संचालन के बाद विजय मिश्र को इसमें ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस ने विजय मिश्र की हिस्ट्रीशीट भी खोली गई थी। पुलिस का दावा था कि वह लखनऊ में माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति की डील करने गया था, इस दौरान उसे गिरफ्तार किया गया था। बीते अक्तूबर में अधिवक्ता विजय मिश्र से जिला जेल में मिलने उसका भांजा उत्कर्ष द्विवेदी निवासी कसारी, थाना नवाबगंज कुछ लोगों के साथ पहुंचा था। जेल में उसने प्रवेश के लिए बैरिकेडिंग तोड़ दी थी। जेल के सिपाही सुमित कुमार व अन्य कर्मचारियों से उसका विवाद हुआ था।नैनी पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान कर दिया था। शुक्रवार को शासन से विजय मिश्र के ट्रांसफर का आदेश जिला जेल नैनी को मिला। शनिवार को जेल प्रशासन ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे केंद्रीय करागार इटावा ट्रांसफर कर दिया। सुरक्षा के बीच शनिवार दोपहर उसे लेकर इटावा केंद्रीय कारागार रवाना किया गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक जिला जेल नैनी अमिता दुबे ने बताया कि शुक्रवार देर शाम शासनादेश आया था। शनिवार को कागजी कार्रवाई पूर्ण कर सिविल पुलिस विजय मिश्र को केंद्रीय करागार इटावा ले गई।

समुद्र कूप तीर्थ में बन रहे स्विस कॉटेज, रोज का किराया 40 हजार, दिल्ली और महाराष्ट्र से आए कारीगर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। पुरानी झूंसी के गंगा तट स्थित समुद्र कूप तीर्थ आश्रम में इन दिनों विदेशी भक्तों के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। समुद्र कूप से जुड़े आशीष पांडेय बताते हैं कि सनातन धर्म को समझने के लिए स्विट्जरलैंड, इटली, अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, रूस, फ्रांस, तुर्किये, दक्षिण अफ्रीका जैसे कई देशों से लोग आते रहे हैं। महाकुंभ में विदेशी श्रद्धालुओं के लिए समुद्र कूप तीर्थ क्षेत्र में निजी कंपनी 40 स्विस कॉटेज तैयार करा रही है। सिंगल बेड वाले कॉटेज के लिए प्रतिदिन का किराया 25 हजार और डबल बेड वाले का 40 हजार रुपये रखा गया है। यह कॉटेज 13 जनवरी के प्रथम स्नान से 20 फरवरी तक उपलब्ध रहेंगे।पुरानी झूंसी के गंगा तट स्थित समुद्र कूप तीर्थ आश्रम में इन दिनों विदेशी भक्तों के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। समुद्र कूप से जुड़े आशीष पांडेय बताते हैं कि सनातन धर्म को समझने के लिए स्विट्जरलैंड, इटली, अमेरिका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, रूस, फ्रांस, तुर्किये, दक्षिण अफ्रीका जैसे कई देशों से लोग आते रहे हैं।इस बार भी कई देशों के मेहमान आ रहे हैं। इनके लिए राजस्थान, दिल्ली और महाराष्ट्र के दक्ष कारीगर कॉटेज बना रहे हैं। ऐसे कॉटेज पहली बार 2019 के कुंभ में बने थे। चार बीघा क्षेत्र में पुणे की कंपनी तीन महीने से

इनका निर्माण करा रही है। यह लद्दाख, तिब्बत, गुजरात, मध्य प्रदेश आदि में भी कॉटेज बनवा चुकी है।आश्रम के महंत विपिन बिहारीदास बताते हैं कि टीले पर बन रहे कॉटेज से गंगा तट आधा किलोमीटर ही दूर है। महाकुंभ जब पूरे चरम पर होगा तो विदेशी मेहमान ऊंचे टीले से भी मेले का आनंद ले सकेंगे। आश्रम के भीतर बनीं 115 सीढ़ियां उतरकर श्रद्धालु सीधे मेला क्षेत्र में पहुंच सकेंगे।स्विस कॉटेज की सुविधाएं पांच सितारा रखने के दावे हैं। यह दो श्रेणियों के हैं। सिंगल बेड और डबल बेड। कॉटेज में आगे के हिस्से में बेड रहेंगे। इससे सटे हिस्से में बाथरूम, टॉयलेट, और वॉश बेसिन होगा। सर्द हवाओं से बचाने के लिए ब्लोवर का इंतजाम भी होगा। यह कॉटेज 10 जनवरी-25 तक तैयार हो जाएंगे।

मेडिकल रिपोर्ट की हाथ से बनी कॉपी दाखिल करने पर कोर्ट खफा, कंप्यूटर से बनाने का आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट की कॉपी हाथ से बनाकर देने पर नाराजगी जताई है। कहा, आश्वासन के बावजूद हाथ की बनी कॉपी अदालत में दाखिल की जा रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट की कॉपी हाथ से बनाकर देने पर नाराजगी जताई है। कहा, आश्वासन के बावजूद हाथ की बनी कॉपी अदालत में दाखिल की जा रही है। इस पर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल-पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है।यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने पीलीभीत के करेली में दुष्कर्म के नाबालिग आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए की। कोर्ट ने महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल जांच

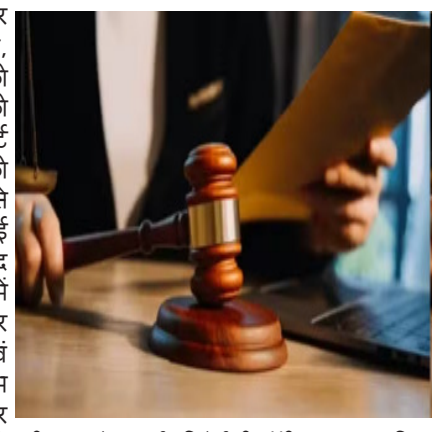

व पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है। कहा है कि मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी तैयार कराने की जवाबदेही डॉक्टर, स्टाफ के अलावा सीएमओ व सीएमएस की भी है। कोर्ट ने महानिदेशक को इस नियम को पूरे प्रदेश में कड़ाई से लागू करने का एक और मौका दिया है।इससे पहले कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव गृह, डीजीपी व डायरेक्टर जनरल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से व्यक्तिगत हलफनामा तलब किया। कहा, आश्वासन के बावजूद मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कंप्यूटर से तैयार नहीं कराई जा रही है। इस पर तीनों ने बिना शर्त माफी मांगी। वहीं, उन्होंने बताया कि सर्कुलर जारी किया जा चुका है लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है।

रत्न जड़ित रथों और बग्घियों पर सवार होकर छावनी प्रवेश के लिए निकले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। रथों, बग्घियों के अलावा घोड़ों को सुसज्जित किया गया था। सोने, चांदी के हौदे और सिंहासन पर संन्यासी विराजमान रहे। यमुना तट स्थित मौजगिरि आश्रम से दोपहर 12:30 बजे छावनी प्रवेश के लिए जूना अखाड़े का विशाल काफिला निकला। देश के सबसे बड़े दशनामी परंपरा के संन्यासियों के अखाड़े के रूप में जूना अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) पूरे राजशाही अंदाज में हुई। इसमें देश-दुनिया से 10 हजार से अधिक नागा संन्यासियों ने हिस्सा लिया। शनिवार को अस्त्र-शस्त्र, बैंडबाजा के साथ सुसज्जित रथों पर जूना अखाड़े के संत सवार हुए। इस

छावनी प्रवेश की पेशवाई में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद समेत 65 से अधिक महामंडलेश्वर शामिल रहे।रथों, बग्घियों के अलावा घोड़ों को सुसज्जित किया गया था। सोने, चांदी के हौदे और सिंहासन पर संन्यासी विराजमान रहे। यमुना तट स्थित मौजगिरि आश्रम से दोपहर 12:30 बजे छावनी प्रवेश के लिए जूना अखाड़े का विशाल काफिला निकला। सबसे आगे अखाड़े के देवता चल रहे थे। इनके बादरमता पंच, शंभू पंच, श्री पंच, बूढ़ा पंच घोड़ों पर सवार होकर चल रहे थे। घोड़ों पर डंका-निशान और ध्वजा-पताकाएं लेकर नागा संन्यासी आगे बढ़ रहे थे।शंखनाद, डमरूनाद के साथ ही तरह-तरहके बैंडबाजे पेशवाई के दौरान बज रहे थे। गुरु दत्तात्रेय की चरण पादुका भी रथारूढ़ रही।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

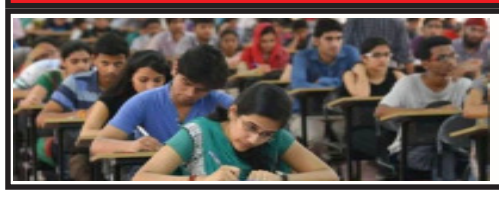

करोड़ों के टर्न ओवर वाली आईटीआई 20 करोड़ के व्यापार में सिमटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। शहर और जिले की लाइफ लाइन मानी जाने वाली आईटीआई अब अपने अस्तित्व के संकट से ही जूझ रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में पूछे गए सवाल से आईटीआई का कड़वा सच सामने आया है।हर साल हजारों करोड़ रुपए के टर्नओवर वाली इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज की रायबरेली इकाई इस वित्त वर्ष में केवल 20 करोड़ रुपए का ही व्यापार कर पाई है। 51 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र में स्थापित हुई इस फैक्ट्री में अब तीन प्रतिशत ही स्थाई कर्मचारी बचे हैं। फैक्ट्री को केंद्र सरकार से न पर्याप्त आर्डर मिल रहे हैं और न रिवाइवल पैकेज ही मिल रहा है। आईटीआई की रायबरेली इकाई को वित्तीय सहायता के 300 करोड़ रुपए मिलने का आज भी इंतजार है। आईटीआई की इस बदहाली का खुलासा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में पूछे गए सवाल पर सरकार द्वारा दिए गए जवाब से हुआ है। एक समय इस फैक्ट्री में 7000 स्थाई कर्मचारी हुआ करते थे। सांसद राहुल गांधी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने बताया है कि आईटीआई की रायबरेली इकाई में वर्तमान में 322 कर्मचारी ही कार्यरत है। इसमें 173 स्थाई, 68 संविदा कर्मी और 83 अनौपचारिक कर्मचारी काम कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से लोकसभा में पूछा कि कर्मचारियों को समय से वेतन प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? के जवाब में सरकार ने बताया है कि कर्मचारियों को समय से वेतन दिलाने के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। अब तक 4456 करोड़ रुपए की विधि सहायता को मंजूरी दी गई है। विभिन्न बातों में 4157 करोड़ रुपए अवमुक्त किये जा चुके हैं। इस धनराशि का भी आधे से अधिक हिस्सा बकाए और वेतन में खर्च हो गया। सरकार के जवाब से ही सामने आया है कि वित्तीय सहायता के करीब 300 करोड़ रुपए अभी भी बाकी हैं। केंद्र सरकार वित्तीय सहायता की इस धनराशि को रिलीज करने में रुचि नहीं ले रही है।1973 में स्थापित हुई थी आईटीआई की रायबरेली यूनिट6 अक्तूबर 1973 को अपने प्रधानमंत्रितत्व काल में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई की रायबरेली इकाई स्थापित कराई थी। प्रारंभ में यहां बेसिक फोन के एक्सचेंज के लिए क्रॉस बार यूनिट का उत्पादन होता था समय बदलने के साथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सी डॉट का उत्पादन शुरू हुआ इस समय सी और रेलवे के लिए आईटीआई में ओएफसी केबल का उत्पादन हो रहा है। इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज की पालघाट, मनकापुर (गोंडा), रायबरेली, बेंगलुरु, नैनी (प्रयागराज) और जम्मू में स्थापित हैं। सोनिया गांधी ने दिलाया था 8000 करोड़ का रिवाइवल पैकेज यूपीए शासनकाल में संसद के रूप में सोनिया गांधी ने 2009-10 में करीब 8000 करोड़ का रिवाइवल पैकेज आईटीआई की रायबरेली इकाई के लिए उपलब्ध कराया था। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और बकाया में ही खर्च हो गया था इसी से फैक्ट्री नई बाजार के हिसाब से अपडेट नहीं हो पाई।

दत्तात्रेय जयंती पर राधा कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली।श्री देवी संपन्न मंडल आश्रम राधा कृष्ण मंदिर छोटी बाजार में प्राण प्रतिष्ठित भगवान दत्तात्रेय की मूर्ति पर पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रदोष काल में शनिवार को मार्गशीर्ष पूर्णिमा तिथि पर भगवान दत्तात्रेय को स्नान कराया गया चंदन रोली, अक्षत समर्पित किया गया गुलाब की माला समर्पित की गई एवं आरती की गई त् समाजसेवी मंटू शुक्ला ने बताया कीदत्तात्रेय भगवान का जन्म मार्गशीर्ष पूर्णिमा तिथि पर हुआ था महर्षि अत्रि की पत्नीअनसूया जो कि बहुत ही तपस्वी एवं पतिव्रता स्त्री थी नारद जी ने ब्रह्म लोक में जाकर के ब्राह्मणी, रुद्राणी एवं लक्ष्मी जी

से कहा कि भू लोक में अनुसूइया के बराबर सती नारी कोई नहीं है आप भी तीनों देवियों उनके आगे नहीं टिक सकती तब उन तीनों देवियों ने अपने पति क्रमशः ब्रह्मा विष्णु महेश को अनसुइया की परीक्षा लेने के लिए भेजा, तीनों देव साधु का बेस बनाकर के अनुसूइया के दरवाजे पर भिक्षा मांगने लगे अनसूइया निकल कर के आई और भिक्षा देने लगी तब ब्रह्मा विष्णु महेश तीनों देवों ने उनसे अपनी गोद में बैठा कर भिक्षा लेने का अनुरोध किया सती अनुसूया ने अपने पति का स्मरण करते हुए उन तीनों देवों को 6 माह का बच्चा बना दिया और अपना स्तनपान तीनों को कराया इधर तीनों देवियां ब्रह्मा विष्णु महेश के वापस न आने पर परेशान हो गई और तीनों देवियां अनुसूया के पास पहुंचे और उनसे अपनी भूल के लिए खेद प्रकट किया तथा अपने तीनों देवों को पूर्व की भांति करने का अनुरोध किया तब अनसूइया जी ने अपने सतीत्व के बल पर तीनों देवों को पूर्व की भांति कर दिया।

इग्नू में प्रवेश का एक और मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। अकादमिक सत्र जनवरी, 2024 हेतु इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। इग्नू में वर्ष में दो बार (जनवरी एवं जुलाई) में प्रवेश होता है। जनपद रायबरेली के ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारण से विभिन्न स्नातक व स्नाकोत्तर पाठ्क्रमों में प्रवेश नही ले सके है, इग्नू में अब प्रवेश ले सकते है। साथ् ही इग्नू में ग्रामीण विकास गाइडेन्स व स्वास्थ्य एवं पोषण के पाठ्यक्रमों में भी प्रवेष लिया जा सकता है। प्रवेश की प्रक्रिया ऑनलाईन है व प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी,2025 है।इसके अतिरिक्त सेवारत कर्मी भी इग्नू की दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते है। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी इग्नू की वेबसाइट पर जाकर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। वर्तमान में इग्नू स्नातक पर अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी इतिहास, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र आदि में डिग्री देने के साथ ही विभिन्न विषयों में परास्नातक की उपाधि हेतु भी पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। फीरोज गांधी कालेज स्थित इग्नू के अध्ययन केन्द्र में प्रवेशार्थी प्रवेश से सम्बंधित किसी अन्य सूचना व मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस पर सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह भी सूच्य है कि मानव संसाधन मंत्रालय सूचना एवं प्रसार मंत्रालय व प्रसार भारती के संयुक्त तत्वाधान में इग्नू के ज्ञानदर्शन चैनल का प्रसारण टाटा स्काई व एयरटेल के द्वारा किया जा रहा है। ज्ञानदर्शन चैनल पर उपलब्ध अकादमिक विमर्श न केवल इग्नू के छात्र-छात्राओं बल्कि इंलूपि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में संलग्न विद्यार्थियों के लिए भी श्रेयस्कर होगा।

33 वीं यूपी मास्टर एथलेटिक चैंपियन शिप 4 व 5 जनवरी को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। 4 एवं 5 जनवरी 2025 को यूपी कॉलेज वाराणसी में आयोजित 33वीं यूपी मास्टर एथलेटिक चैंपियनशिप पुरुष एवं महिला में भाग लेने वाले जनपद रायबरेली के पुरुष एवम महिला जिनकी आयु की गणना 3 जनवरी 2025 के आधार पर की जाएगी 30 वर्ष से ऊपर 5 वर्ष के अंतराल पर अपने आयु वर्ग में दौड़ कूद व क्षेपण की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रतिभागी एंटी फॉर्म के साथ रुपया 500 एंट्री फीस जमा करनी होगी एक प्रतिभागी अधिकतम तीन इवेंट में भाग ले सकेगा/ सकेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की ठहरने व भोजन की व्यवस्था कॉलेज कैंपस के बगल में प्राचीन छात्रावास कैंपस में की गई है मौसम की दृष्टि से अपना एक कंबल अवश्य साथ लेकर जाएंगे।

भाजपा नोएडा महानगर के सभी मंडलों में चुनाव संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नॉएडा।नोएडा महानगर में भाजपा के सभी मंडलों के चुनाव सम्पन्न हुआ। इसके चलते आज नोएडा के 8 मंडलों में सभी चुनाव अधिकारी मंडलों में मौजूद रहे जहां सभी प्रत्याशियों ने अपना अपना नामांकन किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल

में नामांकन की प्रक्रिया सेक्टर-44 छलेरा बारातघर, कृष्णानगर मंडल के चुनाव सेक्टर-41 सामुदायिक केन्द्र, पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल के चुनाव सेक्टर-35 सामुदायिक केन्द्र, महाराणा प्रताप मंडल के सेक्टर-110 भंगेल के सामुदायिक केन्द्र में, शहीद भगत सिंह मंडल के चुनाव सेक्टर-71 सामुदायिक केन्द्र, अटल बिहारी वाजपेयी मंडल के सेक्टर-116 भाजपा नोएडा महानगर कार्यालय, सरस्वती शिशु मंडल के चुनाव सेक्टर-56 के बारातघर तथा सैनिक विहार मंडल के चुनाव सेक्टर-27 कार्यालय में हो रहे हैं। इन मंडलों में बतौर चुनाव अधिकारी चुनाव कराने की जिम्मेदारी क्रमशः मनीश शर्मा, एसपी चमोली, नरेश शर्मा, चमन अवाना, महेश अवाना, विनोद शर्मा, युद्धवीर सिंह चौहान, शारदा चतुर्वेदी को सौंपी गयी है। आज की चुनाव प्रक्रिया ने सभी मंडलों में बूथ अध्यक्षों को प्रस्तावक बनाया गए। हर मंडल में अध्यक्ष पद के लिए जितने भी आवेदन आए वे मंडलों के संबंधित चुनाव अधिकारी को सौंपे गए। मंडलों के चुनाव अधिकारी सभी आवेदन भाजपा हाईकमान द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी व कौशांबी के पूर्व सांसद विजय सोनकर को दिए। वे हर मंडल में तीन-तीन लोगों का पैनल बनाकर प्रदेश हाईकमान के पास भेजेंगे। वहां से किसी एक नाम पर मोहर लगाकर मंडल अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। यह समूची प्रक्रिया 15 दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। आज की पूरी चुनाव प्रक्रिया जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता के देखरेख में रही। उनके साथ राजीव त्यागी, गिरीश कोटनाला, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, तन्मय शंकर, प्रमोद बहल, प्रज्ञा पाठक, एस पी चमोली आदि लोग रहे।

सोनभद्र, मिर्जापुर

13 मुकदमें सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा निधर्धारित निर्देश के आलोक में सम्पूर्ण भारतवर्ष में शनिवार को

आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसके कम में जनपद सोनभद्र में मी लोक अदालत का आयोजन हुआ। राजेन्द्र सिंह, चतुर्थ, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, सोनभद्र में वैवाहिक वादों के निस्तारण का प्रयास सुलह समझौता के आधार पर किया गया. जिसमें कुल 13 मुकदमें सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित किए गए, जिसमें से 12 जोड़ी पारिवारिक पक्षकार (1) सीमा बनाम राजेश (2) चुलबुली बनाम मुकेश (3) पवन बनाम उर्मिला (4) उर्मिला बनाम पवन (5) आरती बनाम सिकन्दर (6) सिकन्दर बनाम आरती (7) ब्रिजेश बनाम ममता (8) राहुल बनाम चन्दा (9) सोनी बनाम आदित्य (10) पिंकी बनाम राधेश्याम (11) तारा बनाम शिवबालक (12) मीरा बनाम राजेश, बरसों से अलग-अलग रह रहे थे, किन्तु सुलह समझौते का प्रयास करने पर अपने-अपने पूर्व के गीले सिकवे को भूलकर एक साथ वैवाहिक जीवन व्यतीत करने के लिए तैयार हुए और एक दूसरे को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सुखमय वैवाहिक जीवन के पथ पर अग्रसर हुए। राजेन्द्र सिंह, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय सोनभद्र द्वारा सभी पारिवारिक जोड़ों को सुखमय भविष्य हेतु शुभकामना भी दिया गया। प्रशासनिक अधिकारी. परिवार न्यायालय, सोनभद्र। प्रशासनिक अधिकारी कुटुम्ब न्यायालय सोनभद्र।

नशेड़ियों ने दुकान सीट तोड़कर की हजारों की चोरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रेनूसागर सोनभद्र। शुक्रवार को कोलगेट ककरी शिवमन्दिर मोड पर नीलू जनरल स्टोर में नशेड़ियों ने

दुकान के ऊपर का शीट तोड़कर किया हजारों की चोरी। भुक्तभोगी ने स्थानीय चौकी रेणुसागर में सूचना देकर चोरों को गिरफ्तार करने की मांग की है।बताते है इन दिनों रेनू सागर के कई इलाके में नशे का कारोबार का बोलबाला है। रेनू सागर चौकी इंचार्ज राजेश सिंह का कहना है शिकायत कर्ता को पुलिस वीडियो और फोटो देने पर ही कुछ हो सकता है।चुकी नए कानून में नशे बेचने वाले को न्यायालय में सबूत देना होता है। ऐसे में नशे के सौदागर को पकड़ना मेरे वस में नहीं है।इस तरह ब्यान से नशे के सौदागर का मनोबल तो बढ़ना लाजमी है।चोरी की घटना का इजाफा होगा।कोल गेट रेणुसागर में हुई चोरी की घटना को लेकर भुक्तभोगी का कहना है,दुकान का सीट उखाड़कर हुई चोरी में सारे नशे के सामान गुटखा सिगरेट के साथ साबुन सर्फ पानी कोलड्रिंक सहित अनेक सामान की चोरी हुई है, गल्ले से नगद भी चुरा ले गए है चोर।रहवासियों ने क्षेत्र में बिक रहे नशे के कारोबार पर रोक लगाने की मांग पुलिस अधिक्षक से की है।

सामाजिक सेवा समिति ने किया जरूरतमंद स्कूली बच्चों में निःशुल्क स्वेटर का वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चोपन सोनभद्र। सरस्वती शिशु

मन्दिर चोपन में हुआ आयोजन स्कूल ड्रेस के स्वेटर पाकर जरूरतमंद बच्चों के चेहरे खिले सामाजिक संस्था प्रयास सामाजिक सेवा समिति ने शनिवार को सरस्वती शिशु मन्दिर चोपन में प्रयास निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम 2024 का आयोजन कर ठन्ड से ठिठुरते नन्हे मुन्ने स्कूली बच्चों के बीच स्कूल ड्रेस के स्वेटर वितरित किये। स्वेटर पाकर जरूरतमंद बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रयास के संरक्षक सदस्य चन्द्रकान्त द्विवेदी,विशिष्ट अतिथि पत्रकार संतोष मिश्रा, अध्यक्ष अजय भाटिया, महामंत्री संजय जैन, समाजसेवी अच्युत जायसवाल, धर्मेन्द्र जायसवाल आदि ने भारत माता एवं माँ सरस्वती जी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया।प्रयास के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुये प्रयास के अध्यक्ष अजय भाटिया एवं महामंत्री संजय जैन ने कहा कि संस्था प्रयास सामाजिक सेवा समिति अपने स्थापना वर्ष 2011 से ही प्रति वर्ष निरंतर यह कार्यक्रम करती रही है और सेवा का यह 14 वां वर्ष है। प्रयास के संरक्षक सदस्य चन्द्र कांत द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि पत्रकार संतोष मिश्रा ने कहा कि समाज में प्रयास द्वारा किया जाने वाला हर सेवा कार्य ही अनुकरणीय होता है चाहे वह ठन्ड में बच्चों के बीच स्वेटर वितरण हो अथवा बिना तिथि बिना अतिथि कार्यक्रम के तहत रात्रिकालीन आकस्मिक भ्रमण कर ठन्ड से ठिठुरते जरुरतमंदों के बीच कंबल वितरण।इस अवसर पर बच्चों ने संक्षिप्त समय में मनोहारी कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति दी। विद्यालय प्रधानाचार्य सुनील कुमार, यदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 151 जोड़ों ने लिए सात फेरे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

पटेहरा। जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में शनिवार को 153 जोड़े शादी के बंधन में बंध गए। प्रशासनिक अधिकारियों और जन

प्रतिनिधियों की मौजूदगी में 151 जोड़ों ने अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। अल्पसंख्यक समुदाय के दो जोड़ों की निकाह पढ़वाकर शादी कराई गई।सामूहिक विवाह में सरकार की ओर से हर जोड़े को वधू के खाते में 35 हजार रुपये नकद तथा 16 हजार रुपये के कपड़े, चांदी की बिछिया, पायल, स्टील के डिनर सेट, प्रेशर कूकर, ट्रॉली बैग आदि दिए गए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लिए 161 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। उनमें से 153 जोड़े सामूहिक विवाह में शामिल हुए। उन्हें सामग्री के साथ प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। उन्होंने बताया धनराशि लाभार्थी के खाते में जल्दी ही भेजी जाएगी। काशी से आए पं. निरंजन मिश्र आचार्य के साथ 11 अन्य विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विवाह की प्रक्रिया पूरी कराई। इसी प्रकार अल्पसंख्यक समुदाय के जोड़ों के निकाह में रामपुर, पटेहरा से आए काजी वकारी वाजिद अली ने निकाह पढ़वाकर शादी कराई। सामूहिक विवाह में कुल 46 मंडप बनाए गए थे। जिसमें दो सामान्य, दो अल्पसंख्यक, 31 पिछड़ी के अलावा 118 अनुसूचित जाति के जोड़ों की शादी हुई। एक दिव्यांग जोड़े का भी विवाह कराया गया। विवाह के पश्चात मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं माड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक शुचिष्मिता मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, सीडीओ विशाल कुमार, मिर्जापुर नगर पालिका के अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी आदि ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र कुमार सिंह, बीडीओ विजय शंकर त्रिपाठी, एडीओ समाज कल्याण विकास शुक्ला आदि मौजूद रहे।

हत्या को सामान्य हादसा मान पुलिस कर रही लीपापोती -प्रधान ने अफसरो समेत राष्ट्रपति, पीएम व सीएम से माँगा न्याय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शक्तिनगर थाना क्षेत्र के खड़िया मे चार नवम्बर को खून से लथपत मिले कोटेदार के शव का मामला गहराता जा रहा है। मृतक के भाई खड़िया के प्रधान विजय कुमार गुप्ता ने हत्या को सामान्य हादसा दिखाकर मामले मे लीपापोती करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगाया है। प्रधान ने पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी के अलावा राष्ट्रपति, प्रमुख सचिव, मानवाधिकार आयोग गृहमंत्री समेत 20से अधिक जनप्रतिनिधियों व अधिकारियो को पत्र भेजकर मामले की जाँच सीबीआई या एसटीएफ से कराकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रधान का कहना है कि कोटेदार रामजतन लहूलुहान अवस्था मे मिले थे। उन्हें एनटीपीसी के संजीवनी अस्पताल ले जाया गया, जहा चिकित्सकों ने जाँच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक का पंचनामा परिजनों की अनुपस्थिति मे कमरे मे पुलिस ने किया और बाद मे

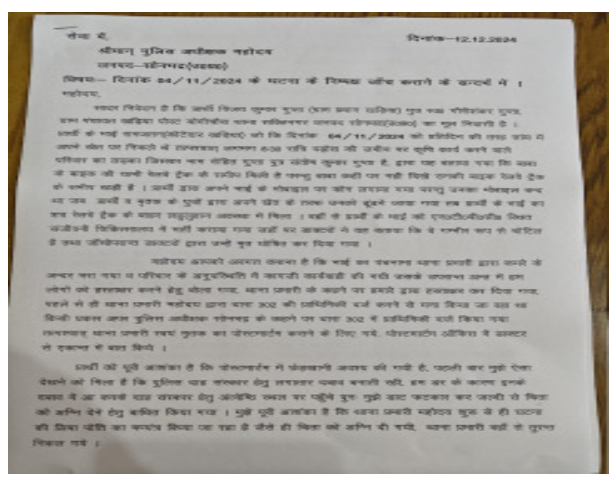

परिवार वालों को बुलाकर हस्ताक्षर करा लिया गया। परिजनों ने हत्या की बात थानाध्यक्ष से कही लेकिन हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। बाद मे अपर पुलिस अधीक्षक के कहने पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। यह भी आरोप लगाया कि थाना प्रभारी स्वयं पोस्टमार्टम कराने गए और पीएम करने वाले चिकित्सक से एकांत मे न जाने क्या बात की। जिससे संदेह गहरा गया है। इससे साफ है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ छेड़छाड़ किया गया है। पुलिस ने दाह संस्कार कराने मे भी न जाने क्यों जल्दबाजी दिखाई और चिता को आग देने का दबाव बनाई। जैसे ही चिता को आग दी गई थाना प्रभारी वहां से निकल गए। यह भी बताया कि मृतक के सामान, चश्मा व मोबाईल की कोई जानकारी पुलिस ने परिवार वालों को नहीं दी। यहाँ तक कि परिवार वालों को मोबाईल जाँच मे मिले साक्ष्य के बारे मे भी कुछ नहीं बताया जा रहा है। इससे साफ है कि पुलिस जाँच मे लीपापोती कर रही है। ऐसी दसा मे मामले की जाँच सीबीआई या एसटीएफ से कराना न्यायसंगत होगा।

माननीय जिला न्यायाधीश सोनभद्र, जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का किया गया त्रैमासिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। माननीय जिला न्यायाधीश सोनभद्र रवीन्द्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी सोनभद्र श्री बी0 एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार गुरमा जनपद सोनभद्र का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर बैरक, मेस, अस्पताल आदि का निरीक्षण करते हुए सघन चेंकिग व तलाशी करायी गयी तथा सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने हेतु जेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

आइटीबीपी के सहायक उपनिरीक्षक की मौत, तबीयत खराब होने पर सीएचसी में कराया गया था भर्ती; मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आइटीबीपी में तैनात सहायक उपनिरीक्षक की लाश को

पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। परिजनों के अनुसार, संदिग्ध हालत में उनकी तबीयत खराब हुई थी। सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र के चांगा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में आइटीबीपी में तैनात एक उपनिरीक्षक की मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लेकर म्योरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां उन्हें चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया है।म्योरपुर थाना क्षेत्र के चांगा गांव में रामप्रसाद (55) पुत्र गोविंद राम की रविवार की भोर में अचानक तबीयत खराब होने के बाद मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया।मृतक के पुत्र अभिषेक सिंह के मुताबिक, उसके पिता आइटीबीपी में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर दंतेवाडा छत्तीसगढ़ में तैनात थे। वह बीते 24 नवंबर को एक माह की छुट्टी पर घर आए हुए थे। उसने बताया कि सुबह जब घर वाले उन्हें आवाज लगा रहे थे तो उन्होंने प्रतिक्रिया नही दिया। इसके बाद परिजन आनन-फानन इलाज के लिए म्योरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया इससे पूर्व बीती रात खाना खाने के बाद सकुशल अपने कमरे में सोए थे। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक रमेश प्रताप सिंह ने बताया कि अस्पताल से मिले मेमो के माध्यम से शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही सहायक उपनिरीक्षक की किन परिस्थितियों में मौत हुई है इसका पता चल पाएगा।

पंजीकरण के नाम पर उत्पीड़न के खिलाफ होगा आंदोलन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज में रूरल हेल्थ वेलफेयर सोसायटी (प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन) ने शनिवार को बैठक की। इसमें 18 दिसंबर को लखनऊ में होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने की रुपरेखा तैयार की गई। प्रदर्शन में जिले से बड़ी संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया।बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष डॉ. आरए चौहान ने कहा कि सरकार के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों के सीएमओ और नोडल अधिकारी अनुभवी प्राइवेट चिकित्सकों का रजिस्ट्रेशन के नाम पर शोषण कर रहे हैं।इसके विरोध में रुरल हेल्थ वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ओपी सिंह मौर्य की अध्यक्षता में 18, 19 व 20 दिसंबर को लखनऊ के इको गार्डेन में तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन के प्रदेश महासचिव डॉ. बीआर मौर्य ने कहा कि प्रदर्शन में पूरे प्रदेश से हजारों अनुभवी प्राइवेट चिकित्सक भाग लेंगे। सोनभद्र से भी बड़ी संख्या में अनुभवी प्राइवेट चिकित्सक लखनऊ पहुंचेंगे। बैठक में डॉ. चंद्रशेखर, संजय पाठक, जगदीश कुशवाहा, विजयमल, दिनेश प्रजापति आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर पलटने से नीचे दबे किसान की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के गेदरी गांव निवासी किसान की शुक्रवार

की रात सड़क हादसे में मौत हो गई। ट्रैक्टर पलटने से वह उसके नीचे दब गए। घटना सीमा से सटे राजगढ़ थाना क्षेत्र में हुई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव देर शाम घर पहुंचा। गेदरी गांव निवासी चंदन सिंह (35) खेती करते थे। इसके साथ ही वह किराए पर खेतों की जोताई, थ्रेसरिंग सहित अन्य काम भी कराते थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मिर्जापुर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र स्थित रिश्तेदार के घर गए थे।वहां से शुक्रवार की रात करीब दस बजे वह घर लौट रहे थे। सेमरा-बरहो के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में चंदन ट्रैक्टर के हैंडिल के नीचे दब गए। सूचना पर पहुंची राजगढ़ थाना पुलिस ने जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को सीधा कराया।पुलिस ने घायल को सीएचसी राजगढ़ भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पंचनामा के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पांच करोड़ से अधिक लागत वाली 35 परियोजनाओं की 22 अधिकारी करेंगे निगरानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कार्यदायी संस्थाओं की लेटलतीफी से अटकी विकास की 35 परियोजनाओं की निगरानी बढ़ा दी गई है। पांच करोड़ से अधिक लागत वाली इन परियोजनाओं की प्रगति पर नियमित निगरानी के लिए 22 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।वह स्थलीय निरीक्षण करते हुए इसकी प्रगति में आ रही बाधाओं और कमियों को दूर कराएंगे। उनकी रिपोर्ट के आधार पर कार्यदाई संस्थाओं पर भी शिकंजा कसा जाएगा। आकांक्षी जिले में विकास की कई बड़ी परियोजनाएं लंबे समय से अटकी हुई हैं।किसी में एनओसी का पेंच अटका हुआ तो कोई अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण अधूरी है। भूमि अधिग्रहण, बजट के अभाव सहित कई कारणों से यह परियोजनाएं तय समय सीमा बीतने के बाद भी पूरी नहीं हो पाई हैं। समीक्षा बैठकों में कार्यदाई संस्थाएं दिक्कतों पर चर्चा करती हैं और इसके बाद कागजी औपचारिकता पूरी कर इतिश्री कर लेती हैं। इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए शासन ने दूसरे विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से इसकी निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसके तहत डीएम ने पांच करोड़ से अधिक की 35 परियोजनाओं के लिए 22 अधिकारियों को नामित किया है। उन्हें परियोजनाओं का स्थलीय सत्यापन कर विभिन्न पहलुओं पर जांच करने और कमियों से अवगत कराते हुए उसे दूर कराने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक अधिकारी के साथ एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में दूसरे निर्माण एजेंसियों के अभियंताओं को भी लगाया गया है। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने बताया कि नामित सभी नोडल अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम एक बार परियोजना का स्थलीय निरीक्षण करते हुए उसकी आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया है।पांच करोड़ से अधिक की जिन परियोजनाओं को निगरानी की जानी है, उसमें ओबरा और अनपरा में लगने वाली नई तापीय परियोजनाओं के साथ ही पहले से स्थापित इकाइयों के मरम्मत व सुदृढ़ीकरण के कार्य भी शामिल हैं।

वृद्ध की मौत होने पर परिजनों ने जताई ठंड लगने की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

राजगढ़। रामपुर-38 गांव निवासी वृद्ध की शनिवार को मौत हो गई। परिजनों ने ठंड लगने से मौत होने की आशंका जताई। एसडीएम के निर्देश पर पहुंचे लेखपाल जांच कर लौट गए।रामपुर-38 गांव निवासी 64 वर्षीय राधेश्याम की शनिवार को अपराह्न तीन बजे मौत हो गई। भतीजे पंकज ने बताया कि चाचा राधेश्याम को ठंड लगने से तबीयत खराब होने पर दो दिन से सीएचसी राजगढ़ जाकर दवा ले रहे थे। डॉक्टर ने ठंड लगने की आशंका जताते हुए दवा दी थी। शनिवार को दोपहर में राधेश्याम अपने खेत की तरफ गए थे। दोपहर एक बजे के आसपास घर लौटे और धूप में चारपाई पर सो गए। कुछ ही देर में उनकी हालत बिगड़ गई। उनको एंबुलेंस से सीएचसी राजगढ़ पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसकी सूचना एसडीएम माड़िहान युगांतर त्रिपाठी को दी गई। एसडीएम के निर्देश पर सीएचसी राजगढ़ पहुंचे लेखपाल विवेक अवस्थी व विनीत तिवारी ने जांच की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजगढ़ थानाध्यक्ष महेंद्र पटेल ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्पोर्ट्स

स्टंप बेल्स बदलने को लेकर आमने-सामने आए लाबुशेन और सिराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अपनी आक्रामक गेंदबाजी शैली के लिए जाने जाने

वाले सिराज ने एक बार फिर लाबुशेन पर निशाना साधा। इस मजेदार प्रतिद्वंद्विता को देखकर फैंस ने पसंद किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन के गाबा में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इन दो टीमों के बीच टेस्ट मैच हो और कोई विवाद न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। पहले और दूसरे टेस्ट में अलग-अलग खिलाड़ियों से मोहम्मद सिराज के भिड़ने के वीडियो सामने आए थे। सिराज का लाबुशेन और ट्रेविस हेड के साथ तू-तू-मैं-मैं जगजाहिर है। अब गाबा में भी सिराज ने लाबुशेन के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता को जारी रखा है। दोनों स्टंप बेल्स को ठीक करने को लिए भिड़ गए। हालांकि, दोनों के बीच शब्दों का आदान प्रदान नहीं हुआ, लेकिन दोनों की हरकतों से ऐसा लग रहा था कि दोनों बेल्स बदलने को लेकर बेताब हैं और एक दूसरे से कह रहे हैं- पहले मैं बदलूंगा...नहीं पहले मैं बदलूंगा।सिराज को इस दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों से ज्यादा प्यार नहीं मिला है। हेड और लाबुशेन से भिड़ने के बाद ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों ने उनकी हूटिंग की थी। हालांकि, सिराज को इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ा और ब्रिस्बेन में भी उन्होंने अब तक शानदार गेंदबाजी की है। अपनी आक्रामक गेंदबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले सिराज ने एक बार फिर लाबुशेन पर निशाना साधा। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 33वें ओवर में गेंद फेंकने के बाद सिराज स्ट्राइक पर मौजूद लाबुशेन के करीब गए और उन्होंने स्टंप्स पर रखे बेल्स की अदला बदली कर दी। दाएं को बाएं और बाएं को दाएं साइड कर दिया। इसके बाद वह वहां से जाने लगे। तभी लाबुशेन ने हड़बड़ा कर बेल्स को फिर से बदल दिया और पहले वाली स्थिति में ले आए। इस मजेदार प्रतिद्वंद्विता को देखकर फैंस ने पसंद किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। एडिलेड टेस्ट के बाद गर्म हुए वातावरण को इस घटना से थोड़ी राहत मिली होगी। हालांकि, इससे सिराज ने लाबुशेन का ध्यान जरूर भंग किया और इसके अगले ओवर में लाबुशेन नीतीश रेड्डी का शिकार बन गए। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 34वें ओवर में नीतीश ने लाबुशेन को स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच कराया। वह 55 गेंद में 12 रन बना सके। दूसरे दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट गंवाकर 104 रन बनाए थे। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी विकेट के आगे खेलना शुरू किया और लंच तक 76 रन बनाने में तीन विकेट गंवाए। कंगारुओं को आज पहला झटका पारी के 17वें ओवर में लगा, जब बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। वह 21 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने मैकस्वीनी को पवेलियन भेजा। वह नौ रन बना सके। फिर नीतीश रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन को स्लिप में कोहली के हाथों कैच कराया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल, मध्य प्रदेश के सामने मुंबई की मजबूत चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस संस्करण में 200 या उससे अधिक के 37 स्कोर देखे गए हैं, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई भी 200+ का स्कोर दर्ज नहीं किया गया है।मुंबई की टीम के सामने रविवार को बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी 20 के फाइनल में मध्य प्रदेश टीम की मुश्किल चुनौती होगी। यूं तो मुंबई को उसकी मजबूत बल्लेबाजी के कारण खिताब का दावेदार माना जा रहा है लेकिन मध्य प्रदेश की टीम भी छुपे रुस्तम साबित हो सकती है।मुंबई के पास कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा फॉर्म में चल रहे अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और पृथ्वी शॉ शामिल हैं। रहाणे इस बार टूर्नामेंट में 432 रन बनाकर बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 170 की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतक लगाए हैं। तीसरे क्रम पर श्रेयस ने यह सुनिश्चित किया है कि रहाणे की शुरुआत में खेली गई अच्छी पारी का लाभ मध्य क्रम में उठाया जाए।श्रेयस अब तक आठ मैचों में 329 रन बना चुके हैं। हालांकि सेमीफाइनल में बड़ौदा को मुंबई ने सात विकेट पर 158 रन पर रोक लिया था, लेकिन गेंदबाजी में मोहित अवस्थी, शार्दुल ठाकुर

और शिवम दुबे खर्चीले साबित हुए हैं। स्पिनरों तनुष कौटियान, सूर्यांश और अथर्व ने बल्लेबाजों पर अंकुश रखा है। 2022 में खिताब जीत चुकी मुंबई की चिंता यह है कि उनके तेज और मध्य गति के गेंदबाजों की कमजोरी का मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार फायदा उठा सकते हैं।खुद पाटीदार का कहना है कि 'हमें अपनी मजबूती पर भरोसा है, हम यह नहीं सोच रहे कि हमारे सामने मुंबई की मजबूत टीम है।' पाटीदार लय में हैं और अभी तक चार अर्धशतक के साथ 347 रन बना चुके हैं। मध्य प्रदेश ने अभी तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब नहीं जीता है। पिछली बार टीम 2010-11 के सत्र में फाइनल में पहुंची थी।मध्य प्रदेश के पास वेंकटेश अय्यर भी हैं जो निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती प्रदान करते हैं। वह अभी तक 210 रन बना चुके हैं और छह विकेट भी अपनी झोली में डाल चुके हैं। टीम के अन्य गेंदबाजों में आवेश खान (10 विकेट), तिरुपुरेश (07) और स्पिनर कुमार कार्तिकेय (16) भी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। मैच शाम साढ़े चार बजे से खेला जाएगा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस संस्करण में 200 या उससे अधिक के 37 स्कोर देखे गए हैं, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई भी 200+ का स्कोर दर्ज नहीं किया गया है। जहां मुंबई और मध्य प्रदेश दोनों ने यहां अपने-अपने सेमीफाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए आसान जीत हासिल की, वहीं लक्ष्य का बचाव करने वाली टीमों ने भी बंगलूरू में तीन बार सफलता का स्वाद चखा है। 193 रन यहां बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। मध्य प्रदेशः अर्पित गौड़, हर्ष गवली (विकेटकीपर), सुभ्रांशु सेनापति, वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार (कप्तान), हरप्रीत सिंह भाटिया, त्रिपुरेश सिंह, राहुल बाथम, कुमार कार्तिकेय, अवेश खान, शिवम शुक्ला।दुनिया की सभी टी20 प्रतियोगिताओं में, इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 206 50+ के स्कोर दूसरा सबसे अधिक है। इंग्लैंड में 2023 टी20 ब्लास्ट में यह 50+ के स्कोर की रिकॉर्ड संख्या से केवल छह कम है।

ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे मोहम्मद शमी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल टीम में हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। उन्हें

टीम में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में उनका ऑस्ट्रेलिया जाना मुश्किल है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में उनका ऑस्ट्रेलिया जाना मुश्किल है। बता दें कि, भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में खेला जा रहा है जबकि चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 26 दिसंबर और तीन जनवरी से खेला जाएगा। विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 21 दिसंबर से होगी। बंगाल की टीम को ग्रुप ई में रखा गया है, जिसका पहले मैच में सामना दिल्ली से होगा। हैदराबाद में खेले जाने वाले इस मुकाबले में मोहम्मद शमी भी खेलते दिखेंगे। उन्हें बंगाल के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। उनके अलावा मुकेश कुमार को भी टीम में जगह मिली है। सभी खिलाड़ी बुधवार को हैदराबाद के लिए कोलकाता से रवाना होंगे।हाल ही में पीटीआई की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि शमी अंतिम दो मुकाबलों के लिए मेलबर्न में टीम से जुड़ सकते हैं। शमी से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि एनसीए से फिटनेस सर्टिफिकेट जल्द ही मिल जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई से सूत्र ने कहा, शमी की किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेजी जा चुकी है। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट का अभियान पूरा करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे शमी को आखिरी बार पिछले साल वनडे विश्व कप में भारत के लिए खेलते देखा गया था।

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में कलह, अधिकारी आपस में ही भिड़े

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ, हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है।भारत

के सीमा पार यात्रा करने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड प्रारूप में करने का फैसला किया है। इससे पीसीबी के अंदर ही असंतोष पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी के अंदर ही कलह शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान ने जिस तरह से फैसले को स्वीकार किया है, उससे पीसीबी कई सदस्य और अधिकारी नाखुश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के हाइब्रिड मॉडल में कराने की पुष्टि की ही। अब भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा, जबकि पाकिस्तान बाकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेग मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को 2026 टी20 विश्व कप के दौरान भारत की जगह कोलंबो में अपने मैच खेलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तान को 2027 के बाद आईसीसी महिला प्रतियोगिता की मेजबानी के अधिकार भी आवंटित कर दिए गए हैं। पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ, हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ सदस्यों ने नाखुशी जताते हुए कहा कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को नहीं बहकना चाहिए और यह आईसीसी की कोई रणनीति भी हो सकती है। इससे पहले पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर्स की तरफ से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ उन लोगों में से एक हैं जो पीसीबी के हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होने के तरीके से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2027 के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की पेशकश की जा रही है, हाइब्रिड मॉडल में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के लिए कोई मुआवजा नहीं था। वहीं, बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अब कहा जा रहा है कि 2027 या 2028 में महिला विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान को दे दी जाएगी। हर कोई कहेगा, 'वाह जी वाह! यह शानदार है, एक नहीं बल्कि आईसीसी की दो प्रतियोगिताएं (पाकिस्तान में) होंगी। लेकिन इस तरह की घटनाओं का क्या मतलब है? ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि 2026 में पाकिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी और भारतीय महिला टीम फिर पाकिस्तान आएगी। प्रसारकों को कोई नुकसान नहीं होगा।'उन्होंने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि लॉलीपॉप क्या है? आईसीसी ने जो पाकिस्तान को दिया, वह एक लॉलीपॉप है, कि अगर आप इससे सहमत होते हैं तो लिखित में कुछ भी मत मांगिए और हम आपको आईसीसी का एक और टूर्नामेंट देंगे। इससे (पाकिस्तान को) कोई फायदा नहीं होगा। इसके बजाय उन्हें एशिया कप के लिए बोली लगानी चाहिए, जो अगले साल है। पीसीबी को इसके लिए पूछना चाहिए। महिला विश्व कप या अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी से पीसीबी को फायदा नहीं होगा। अगर पीसीबी ने इस लॉलीपॉप को स्वीकार किया है तो यह हैरान करने वाला है।

बारिश के कारण तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त, 13.2 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया 28/0

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । लगातार बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। मैच के

शुरुआती दिन सिर्फ 13.2 ओवर का खेल ही हो सका। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए हैं। उस्मान ख्वाजा 19 रन और नाथन मैकस्वीनी चार रन बनाकर नाबाद हैं। गाबा टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण बार-बार खेल बाधित हुआ। पहली बार 5.3 ओवर के बाद बारिश के कारण 20-25 मिनट का खेल बर्बाद हुआ था। फिर 13.2 ओवर के बाद एक बार फिर खेल को रोकना पड़ा। शुरुआती दिन पहले सत्र में फिर भी कुछ खेल संभव हुआ, लेकिन लंच ब्रेक से पहले ही बारिश दोबारा शुरू हुई और मैच को रोकना पड़ा। दूसरे सत्र का खेल पूरी तरह धुल गया था, लेकिन इसके बाद भी स्थिति नहीं बदली और अंपायर ने स्टंप का फैसला किया। पहले दिन बारिश के खलल के कारण अब दूसरे दिन 98 ओवर फेंके जाएंगे और मैच तय समय से आधे घंटे पहले शुरू होगा। यानी दूसरे दिन का मुकाबला भारतीय समयानुसार, सुबह 5:20 बजे शुरू होगा। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में दो बदलाव किए। रविचंद्रन अश्विन और हर्षित राणा को बाहर किया गया। उनकी जगह रवींद्र जडेजा और आकाश दीप की टीम में वापसी हुई। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम में एक बदलाव है। स्कॉट बोलैंड की जगह जोश हेजलवुड को शामिल किया गया।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत का सामना आज वेस्टइंडीज से, हरमनप्रीत के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं, लेकिन इस लय को बनाए रखने के लिए भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।लगातार आलोचना का सामना कर रही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे मैच हारने के गम को भुलाकर रविवार से नवी मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा। मैच रविवार शाम सात बजे से खेला जाएगा। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं, लेकिन इस लय को बनाए रखने के लिए भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। आस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज के दौरान चयन के कई विवादित फैसलों के कारण हरमनप्रीत पर सवाल उठे हैं। देखना यह है कि कब तक चयनकर्ता उन पर भरोसा बनाए

रखते हैं और स्मृति मंधाना को बागडोर सौंपने के लिए इंतजार करते ह टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारत की यह पहली टी20 सीरीज है। भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे सीरीज में हराया था, लेकिन आस्ट्रेलिया में 3-0 से पराजय का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत का अपना बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का सबब है और कप्तानी में कुछ नया नहीं कर पाने से भी टीम की मुश्किलें बढ़ी है। चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा को जगह नहीं दी है, लेकिन भारत में टी20 क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में पर्थ में बुधवार को आखिरी वनडे हारकर लौटी भारतीय टीम को पर्याप्त आराम नहीं मिला है और उसे रविवार को डी वाई पाटिल स्टेडियम पर पहला मैच खेलना है। तीनों मैच एक एक दिन के अंतराल पर होंगे जिसमें टीम की फिटनेस और मनोबल की कड़ी परीक्षा होगी । भारतीय टीम पूजा वस्त्राकर, श्रेयांका पाटिल, यास्तिका भाटिया , प्रिया पूनिया और शेफाली के बिना खेल रही है। शेफाली ने इस प्रारूप में 2024 में सर्वाधिक 531 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका चयन इसलिए नहीं किया गया क्योंकि वनडे में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, लेकिन टी20 टीम में नहीं चुना जाना समझ से परे है। इससे ऋचा घोष पर दबाव बढ़ेगा जो निचले क्रम पर तेजी से रन बनाती है। पूनिया के भी चोट के कारण बाहर होने से घोष को पारी का आगाज करना होगा। इसी तरह तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी नहीं चुना गया जिन्होंने तीन दिन पहले आस्ट्रेलिया में वनडे में चार विकेट लिए थे । टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज ने इस साल 13 में से नौ टी20 मैच जीते हैं। उसने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में हराया। उसे सीनियर हरफनमौला स्टेफानी टेलर की कमी खलेगी जो चोट के कारण बाहर हैं।भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, नंदिनी कश्यप, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना, राघवी बिष्ट, रेणुका ठाकुर, प्रिया मिश्रा, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, मिन्नू मनी, राधा यादव।

सम्पादकीय

मोहम्मद यूनुस के शासन में आखिर कहां जा रहा है पड़ोसी मुल्क

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। हाल ही में सत्ता परिवर्तन के बाद से स्थिति और बिगड़ गई है। हिंदू साधुओं की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे पर क्यों चुप्पी साधे हुए है नस्लीय बर्बरता और हिंसा की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बने बांग्लादेश में भारतीय विदेश सचिव के दौरे के बाद आशंकाओं का बादल अब और भी साफ होने चला है। कहना गलत नहीं होगा कि वो जो कातिल है वही निज़ाम वही मुंसिफ है वो क्या ख़ाक हिन्दू अल्पसंख्यकों के हक़ में फैसला लेगा। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में वार्षिक द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेने पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी की यात्रा के परिणामो के लेकर जिस तरीके के कयास लगाए जा रहे थे ठीक वैसा ही फलाफल निकल कर सामने आया है।दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न पर भारतीय विदेश सचिव की बेलाग और वाज़िब बयान पर अंतरिम सरकार के निज़ाम यूनुस और उनके प्रशासन ने इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला भर कहकर अपनी मंशा और योजना दोनों जाहिर कर दी है। इसी बीच मज़हबी कट्टरपंथी बांग्लादेशी नेताओं के बड़बोलेपन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी तल्ख़ पलटवार किया है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस और उनके शासन को फासीवादी करार देते हुए बांग्लादेशी कानून के मुताबिक निज़ाम और उनके सरपरस्तों का हिसाब करने की कसम उठाई है।सत्ता के संरक्षण में सम्पूर्ण बांग्लादेश में हिन्दू नरसंहार की वीभत्स योजना पर काम कर रहे कार्यवाह प्रधानमंत्री यूनुस के नोबल पुरस्कार के खिलाफ भी नागरिक समूहों ने नोबेल कमेटी के सामने आपत्ति खड़े किए हैं। इन सभी घटनाक्रमों के बीच बांग्लादेश खबरों की सुर्खियों का हिस्सा है। इन चर्चाओं मे सबसे बड़ी चर्चा फिलहाल वहां के अल्पसंख्यक हिंदू विरोधी चरित्र को लेकर है। ऐसा भी नही है कि यहां ये सब कोई पहली बार हो रहा है। दरअसल, अतीत में भी यहां के हिंदू समुदाय को यह सब झेलना पड़ा है, लेकिन पांच अगस्त 2024 के बाद से हालात कहीं बुरे है। इस दिन यहां एक अप्रत्याशित मगर सुनियोजित घटना उपरांत निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर दिया गया था तब से बांग्लादेश की बागडोर उन हाथों में है जिनका विश्वास लोकतंत्र एवं मानवाधिकार मे कतई नहीं है और जिसका प्रमाण सत्ता प्रायोजित अनवरत् जारी हिंसा और दमन है। बात तत्कालीन घटना की करें तो यह एक हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से संबंधित है। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप मे फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। इस नाते कई दिन बिना भोजन के भी इन लोगों ने गुजारा है। बात इनके आंदोलन की करें तो धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा का शिकार हिंदू समुदाय अपने एक आठ सूत्री मांग के साथ देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान पूरे बांग्लादेश में शांतिपूर्ण सभाओं का दौर जारी था। इसी का चेहरा गौड़ीय वैष्णव परंपरा से संबद्ध संस्था इस्कॉन के चटगांव आश्रम प्रमुख साधु चिन्मय प्रभु थे। ऐसे में बजाय अराजक तत्वों पर अंकुश की जगह शासन ने विरोध के स्वर को कुचलने के लिए ये बर्बर कार्यवाही की है। इधर, रहा सवाल आरोपों का तो ये मसला न्यायालय के विचार का है, लेकिन जिस प्रकार से इसे अनावश्यक तूल दिया गया है वो बेहद खतरनाक है। पूरे देश में हिंदू विरोधी हिंसा का माहौल है। इसी क्रम में एक अप्रत्याशित दुखांत घटना भी घटी है। विरोध प्रदर्शनों के बीच एक मुस्लिम वकील की हत्या हो गई, जिसके उपरांत हिंदू उत्पीड़न का सिलसिला सा पुनः चल पड़ा है और जिसकी परिणति चिन्मय प्रभु के पक्षकार अधिवक्ता के ऊपर आत्मघाती हमला है जिसके उपरांत वो अस्पताल में मौत से जूझ रहे हैं। यही नही मुस्लिम अधिवक्ता हत्या मे बिला वजह 70 हिंदू वकीलों को आरोपी बनाया गया है। इस नाते भय के कारण कोई भी वकील इनके लिए न्यायालय में खड़े होने को तैयार नहीं हैं। न्यायालय पर मतांध शासन और मजहबी भीड़ दोनों का दबाब है। इस नाते सुनवाई अब जनवरी मे होनी है। यहां न्याय की मांग कर रहे हिंदुओं पर मतांध मुस्लिम भीड़ का टूट पड़ना अब सामान्य बात है।

राष्ट्रीय पुरस्कार ठजय श्री शिक्षा सम्मान से नवाजी गई डॉक्टर आकांक्षा पाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। संगीत कला साहित्य में सामाजिक क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए सामाजिक सेवा के लिए प्रयागराज की संगीत शिक्षिका एवं सामाजिक प्रणेता डॉक्टर आकांक्षा पाल को राजस्थान के उदयपुर जिले के जय श्री रिसर्च वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगीत शिक्षण के माध्यम से विशिष्ट योगदान देने के लिए देश भर के बीस प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल कर वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय सम्मान जय श्री शिक्षा सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगीत साहित्य सहित शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया। डॉ आकांक्षा पाल चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय प्रतिग्रह में संगीत विभाग की अतिथि प्रवक्ता के रूप में कार्यरत है जिनके चौतीस शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा बावन से ज्यादा सेमिनार में इन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से शिरकत की है साहित्य संगीत से जुड़ी तीन पुस्तक भी इनके द्वारा संपादित एवं प्रकाशित की जा चुकी है । प्रयागराज के विभिन्न साहित्यिक सामाजिक संगठनों में सक्रियता से भागीदारी करते हुए इन्होंने हाल में ही नगर निगम के जागरूकता गीत पर अपने निर्देशन में प्रस्तुति कर कर महाकुंभ में भी विशेष योगदान दिया है। इस उपलब्धि पर यमुना पार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव ने बधाई देते हुए कहा कि निराला और महादेवी वर्मा की नगरी में ऐसे उदयमान साहित्यकारों एवं प्रतिभाओं का होना निश्चित रूप से विकसित भारत की नींव रखने के लिए कारगर साबित होगा।

भारत के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक, 'कुंभ नगरी प्रयागराज'

प्रयागराज वह स्थान है, जहां मानवता का सबसे बड़ा समागम, कुंभ- महाकुंभ-मेला होता है। इस त्यौहार को आमतौर पर दुनिया में सबसे शांतिपूर्ण मानव सभा के रूप में अतिशयोक्ति के साथ संदर्भित किया जाता है, जो भक्ति और एकता का समग्र प्रतीक है। दरअसल, इस विशेष अवधि के आसपास, विभिन्न देशों और साक्षात् प्रतीक हैं। यह परिवेश दर्शाता है कि भौतिकवाद और अराजकता से ग्रस्त दुनिया में आस्था कितनी शक्ति दे सकती है। विविधता में भारतीय एकता का एक छोटा सा स्वरूप। इस तरह के तीर्थ और स्वच्छता, व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवा का प्रबंधन कैसे करता है। वास्तव में, यह भारत की परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य को दर्शाता है। वास्तव में, यह एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो प्राचीन ग्रंथों और महाभारत जैसे महाकाव्यों में दर्ज है, हर नुक्कड़ और कोने में एक कहानी कहता है, चाहे वह इसके घाट हों, इसके मंदिर हों या ऋषियों और कवियों से इसका लगाव हो। कोई भी शहर प्रयागराज और उसके पवित्र समागम को देखता हूं, तो मुझे सिर्फ़ कर्मकांडों और धर्म से परे एक संदेश दिखाई देता है। कुंभ आस्था, धीरज और मानवीय भावना का महिमामंडन करता है। यह समुदाय, प्रकृति की

किया जाता है, जो भक्ति और एकता का समग्र प्रतीक है। भारतीय सांस्कृतिक एकता और गौरव के प्रतीक के रूप में पवित्र धार्मिक नगरी प्रयागराज भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रस्तुत करने वाली विश्वविख्यात आध्यात्मिक नगरी है। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती को भित्तिचित्रों में एक साथ रखा गया है, क्योंकि हिंदू धर्म दर्शन में इस शहर का सबसे अधिक पौराणिक महत्व है। यह न तो नदियों का भौगोलिक संगम है और न ही आस्था और प्रकृति का त्रि-बिंदु है। इसका एक गौरव यह है कि प्रयागराज वह स्थान है, जहां मानवता का सबसे बड़ा समागम, कुंभ- महाकुंभ-मेला होता है। इस त्योहार को आमतौर संस्कृतियों और जीवन के क्षेत्रों के लोग यह मानने लगे हैं कि वे पवित्र स्नान की सहायता से जीवन को समग्रता में बदल सकते हैं। पवित्र संगम के विविध घाटों पर उपस्थित होना, जहां मंत्र, ध्यान पूर्ण मौन और बहुत विस्तृत अनुष्ठान मिलते हैं, वास्तव में एक अलग जीवन जीने जैसा है। मेरे लिए, कुंभ एक सांस्कृतिक घटना का प्रतिनिधित्व करता है, न कि केवल एक धार्मिक आयोजन। संतों के प्रवचनों से गुंजायमान एक साथ रखे गए नयनाभिराम रंग-बिरंगे तंबुओं के रंग अतुलनीय हैं। वहां प्रार्थनाओं से लगातार गंजरित और सुशोभित रहने वाला वातावरण और नदी के किनारे ध्यान कर रहे भगवाधारी साधु, भारत की शाश्वत आत्मा की बात करते हुए आध्यात्मिकता के यात्री हर भाषा, हर जाति और यहां तक कि सबसे विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। वे सभी भक्ति में सभी मतभेदों को दूर करके एकता में आस्था रखकर आते हैं। यही एकता है; यहां सामूहिक आध्यात्मिक पहचान की एकता में विलीन होना। यह वह संदेश है जिसे हर खंडित समाज को अवश्य सुनना चाहिए। अपने आध्यात्मिक आकर्षण से परे, यह कुंभ एक अद्वितीय तार्किक और संगठनात्मक घटना की अनुपमेय उदाहरण है। यानी, एक समय में कई हफ्तों तक लाखों लोगों का प्रबंधन करने के लिए सटीकता, अनुशासन और समावेशी भाव की आवश्यकता होती है। इस आयोजन में जिन चीजों पर ध्यान दिया जाता है, उनमें यह भी शामिल है कि यह स्वच्छ जल दिखाता है कि आधुनिक परिवेश में प्राचीन रीति-रिवाज सहजता से कैसे पनप सकते हैं। प्रयागराज एक और भी महत्वपूर्ण कारण का गवाह हैः पर्यावरण चेतना की आवश्यकता। शहर को परिभाषित करनेवाली पवित्र नदियाँ न केवल आध्यात्मिकता के लिए, बल्कि लाखों लोगों के भरण-पोषण के लिए भी जीवन रेखाएं हैं। कुंभ इस तथ्य को और भी अधिक उजागर करता है कि उन पवित्र नदियों को प्राकृतिक संसाधनों के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। पानी सबको समग्र रूप से शुद्ध करता है और इसलिए हमें माँ प्रकृति के पोषण और सुरक्षा में इस की देखभाल करनी चाहिए। कुंभ प्रयागराज की सांस्कृतिक संपदा का एक अंश मात्र है। यह शहर, जिसका इतिहास पुराणों जैसे जो ज्ञान के साथ-साथ कला का निवास होने की इतनी लंबी विरासत का दावा कर सकता है, वह स्वचालित रूप से अनंत काल तक जीवित संस्कृति के शहर के रूप में अस्तित्व में आने के योग्य होगा। बहुत से लोगों के लिए, कुंभ के दौरान प्रयागराज को देखना सिर्फ़ तीर्थयात्रा नहीं है; यह भीतर की ओर उतरनेवाली आध्यात्मिक यात्रा भी है। यह आत्मा के साथ-साथ शरीर को भी शुद्ध करने का मार्ग बतलाता है। यह समर्पण का क्षण है, जो उन्हें जीवन के गहरे उद्देश्य को जानने के निकट लाता है। यही वह पक्ष है, जो धर्म की दिशा प्रदान करता है- दैनिक व्याकुलता से पीछे हटने का मार्ग देता है, जिसके कारण ऐसी स्पष्टता और शांति शायद ही कहीं और मिले। जब मैं पवित्रता और वास्तव में उच्च चेतना की खोज की याद दिलाता है। भव्य रूप से, यह प्रयागराज है-शहर सिर्फ़ एक गंतव्य नहीं है, बल्कि एक जीवंत, सांस लेने वाला अनुभव है, जो प्रेरणा और उत्थान को जारी रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सांसारिक और दिव्य, ऐतिहासिक और आधुनिक, व्यक्तिगत और सामूहिक के बीच एक सेतु का काम करता है, जो हमेशा के लिए अपने हृदय और जीवन को प्रकाश पुंज से प्रकाशित होने के लिए सांत्वना और प्रेरणा देता है। ऐसी पुण्यसलिला पवित्र आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज एवं उसके अंतस् में अवस्थित आध्यात्मिकता का शिखर 'कुंभ', दोनों वरेण्य एवं वंदनीय हैं।

१०० सालः फिल्मों की भरी-पूरी विरासत सौंपकर जाने वाला कलाकार

राज कपूर बड़े अभिनेता, निर्देशक, निर्माता थे। उनके प्रत्येक आयाम पर किताबें लिखी जा सकती हैं। वैसे बताती चलूं उन पर अब तक कई किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं और आगे भी संभावनाएं हैं। पर इन उससे भी बढ़ कर वे बड़े इंसान थे, यारों के यार थे। सफलता का परचम लहराने के लिए कड़ी मेहनत, लगन और जुनून की आवश्यकता होती है। ऐसे ही एक मेहनती, लगनशील एवं जुनूनी, देश-विदेश में सफ़लता का झंडा बुलंद करने वाली सिने-पर्सनलिटी का शताब्दी समारोह हम मना रहे हैं। हिन्दी फ़िल्म उद्योग के एक सबसे बड़े शोमैन, राज कपूर यूं ही शोमैन नहीं बन गए। दरअसल, लेब्रोटरी से लेकर सिनेमाटोग्राफ़ी तक सिनेमा से जुड़े सब क्षेत्र की जानकारी उन्हें थी। होती भी भला क्यों नहीं? सिनेमा बनाने के छोटे-बड़े सब काम उन्होंने किए। फ़र्श बुहारने से लेकर प्रॉप्स को इधर-उधर ले जाना, स्पॉटबॉय, सहायक निर्देशक, अभिनय सारे काम करते हुए वे बड़े हुए। सारी बुनियादी बातें सीखीं। निर्देशक की कुर्सी तक पहुंचे, प्रोड्यूसर बने।राज कपूर बड़े अभिनेता, निर्देशक, प्रड्युसर थे। उनके प्रत्येक आयाम पर किताबें लिखी जा सकती हैं। वैसे बताती चलूं उन पर अब तक कई किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं और आगे भी संभावनाएं हैं। पर इन उससे भी बढ़कर वे बड़े इंसान थे, यारों के यार थे। राज कपूर शुरु से जुनूनी थे, जिद के पक्के, बतौर नायक 'नीलकमल' (1947) अपनी पहली फिल्म में उन्होंने शर्त रख दी। उनकी जोड़ी केलिए सुंदर और युवा अभिनेत्री होनी चाहिए। इस पठान ने एक पठान लड़की बेगम मुमताज की सिफ़ारिश की जिसे परदे पर नाम मिला मधुबाला। आगे चलकर दोनों ने कई सफ़ल फ़िल्में - 'दो उस्ताद', 'दिल की रानी', 'अमर प्रेम', 'चित्तौड़ विजय' दीं। अभिनेता, सिने-निर्देशक, प्रड्युसर राज कपूर 14 दिसम्बर 1924 को पेशावर (आज के पाकिस्तान में) जन्में थे। उनके पिता नामी पृथ्वीराज कपूर नाटक और बाद में फ़िल्म अभिनेता थे। राजकपूर ने अपने

जीवन में सबसे पहले देबकी बोस की कहानी पर उन्हीं के द्वारा पटकथा एवं निर्देशन में बनी फ़िल्म 'इंकलाब' (1935) में अपने पिता के साथ अभिनय किया। रायचंद बोस इस फ़िल्म के म्युजिशियन थे। फ़िल्म बिहार के भूकंप की पृष्ठभूमि पर है।अभिनेता राज कपूर इसी मुकाम पर रुकने वाले नहीं थे, इस महत्वकांक्षी युवक ने पहली फ़िल्म के साथ मात्र 23 साल की उम्र में अपना आर. के. स्टूडियो स्थापित कर दिया और अगले साल 1948 में अपनी पहली फ़िल्म 'आग' बनाई। फ़िल्म राज कपूर की महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। इस भावनात्मक फ़िल्म में नायक बड़ा सपना देखता है। फ़िल्म ने नर्गिस को बेहिसाब ख्याति मिली। वे राज कपूर की नायिका बन गई। दोनों ने 'पापी', 'प्यार', 'अंदाज', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420' आदि कई फ़िल्मों में साथ काम किया। भला कौन भूल सकता है, 'श्री 420' फ़िल्म का वह गीत जिसमें नायक-नायिका बारिश में गाते हुए जा रहे हैं औरउनके पीछे तीन बच्चे चल रहे हैं। 'मैं न रहूंगी, तुम न रहोगे, रह जाएगी निशानियां...' सच है आज राज कपूर शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं पर उनकी निशानियां अमिट हैं। उनके प्यार के गीत जवानियां दोहराती रहेंगी। उन्होंने एक भरी-पूरी विरासत छोड़ी है। 1951 में उनकी निर्देशित-अभिनीत फ़िल्म 'आवारा' ने उन्हें स्थापित कर दिया। जे. जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट्स से प्रशिक्षित एम. आर. आर्चेकर इस फ़िल्म के कला निर्देशक थे, कैमरा राधु करमाकार ने संभाला और ख्वाजा अहमद अब्बास एवं वी. पी. साठे ने इसकी कहानी लिखी। इसका ड्रीम स्क्विवेंस कदाचित हिन्दी फ़िल्म का पहला ड्रीम स्विकेंस है। परदे पर जादुई प्रभाव उत्पन्न करने वाला यह दृश्यबंध लगातार 72 घंटे की दिन-रात के काम और दो बार की प्रोसेसिंग का नतीजा है। यह राज कपूर की कल्पना और उनकी टीम की सृजन शक्ति का परिणाम है। फ़िल्म 'आवारा' ने पूरे दक्षिण एशिया में भारतीय सिनेमा की पहुंच बना दी थी, जिसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। इस फ़िल्म के बिना राज कपूर पर बात नहीं हो सकती है। तीन दिन, 13 से 15 दिसम्बर 2024 तक चलने वाले उनके शताब्दी समारोह में 40 शहरों 135 सिनेमागरों में मात्र सौ रुपए में दिखाई जाने वाली 10 फ़िल्मों में 'आवारा' शामिल है। दिखाई जाने वाली अन्य फ़िल्में 'बरसात', 'श्री 420', 'जागते रहो', 'जिस देश में गंगा बहती है', 'संगम', 'मेरा नाम जोकर', 'बॉबी' तथा 'राम तेरी गंगा मैली' हैं। शताब्दी समारोह सरकार, आर.के.फ़िल्म्स, फ़िल्म हेरिटेज फ़ाउंडेशन के सहयोग से आयोजित हो रहा है। राज कपूर टीम बनाना, उसे संभाले रखना जानते थे। दोस्ती निभाने में उनका सानी नहीं था। शैलेंद्र, मुकेश, शंकर जय किशन, हसरत जयपुरी, अपने फ़ोटोग्राफ़र, कैमरामैन राधु करमाकर से उनकी आजीवन दोस्ती रही। 1949 से 1073 यानी 24 साल उनके कैमरामैन रहे राधु करमाकर ने उनके द्वारा निर्देशित चार फ़िल्मों - 'श्री 420', 'मेरा नाम जोकर', 'सत्यं शिवं सुंदरं' तथा 'हिना' के लिए फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार पाया। आर. के. फिल्म्स के बैनर तले राधु करमाकर ने अपनी एकमात्र निर्देशित फ़िल्म 'जिस देश में गंगा बहती है बनाई थी, जिसमें राज कपूर-पद्मिनी-प्राण ने भूमिकाएं की हैं। इस कैमरामैन के अनुसार आर. के. स्टूडियो भारत का, सही अर्थों में सर्वोत्कृष्ट स्टूडियो था। वहां हमेशा सर्वोत्तम परिणामों के लिए प्रयोग किए जाते थे। राज कपूर ने 'मेरा नाम जोकर' फ़िल्म में हवाई कलाबाजियां पकड़ने केलिए बजट के बाहर मंहगे अमेरिकन उपकरण, लाइटिंग सिस्टम, इलैक्ट्रिक आर्क आदि मंगाए थे। कुब्रिक द्वारा प्रयुक्त मिशेल एनबीसी कैमरा आरके फ़िल्म केलिए उपयोग में लाया जाता था, अमेरिकी सिनेमाटोग्राफ़ी पत्रिकाएं शूट के लिए प्रयोग की जाती थीं। वैसे भी राज कपूर के सारे कार्य भव्यता के साथ होते थे, ऐसे ही वे शोमैन नहीं कहे जाते हैं। राज कपूर ने 70 फ़िल्मों में अभिनय किया, उनकी अभिनीत अंतिम फ़िल्म 'धकधक' (1990) थी, साथ 17 फ़िल्में प्रड्योस की और 10 फ़िल्मों - 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420', 'संगम', 'मेरा नाम जोकर', 'बॉबी', 'सत्यमं, शिवं, सुंदरं', 'प्रेम रोग' तथा 'राम तेरे गंगा मैले' - का निर्देशन किया। राज कपूर की फ़िल्मों के गीत 'ये रात भीगी भीगी', 'किसी की मुस्कुराहटों पर', 'दिल का हाल सुने दिल वाला', 'आवारा हूं', मेरा जूता है जापानी', 'आजा सनम', 'छलिया मेरा नाम', 'मैं का करूं राम', 'दोस्त दोस्त न रहा', 'बोल राधा बोल' आदि आज भी सिने-प्रेमियों द्वारा गुनगुनाए जाते हैं।विजनरी सिने-व्यक्तित्व, भारतीय सिनेमा के लैंडस्कोप को आकार देने वाले, राज कपूर पद्म भूषण और दादा साहेब फ़ालके सम्मान से नवाजे गए। उनकी समयातीत फ़िल्में आम आदमी का स्वर और स्वप्न हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें भारत के सॉफ़्ट पॉवर को उस समय स्थापित करने वाला कहा है जब इस पद का निर्माण भी नहीं हुआ था, राज कपूर के परिवार को सुझाव दिया है कि वे लोग को मंत्रमुग्ध करने वाले राज कपूर पर फ़िल्म बनाएं। यह शताब्दी समारोह भारतीय फ़िल्म उद्योग की सुनहरी यात्रा की गाथा है।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने धीरेन्द्र अवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने आज अपने संगठन का विस्तार करते हुए गौतमबुद्ध नगर में नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की है।इसकी घोषणा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने नोएडा में वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र अवाना के आवास पर की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार हाकिम सिंह ने की तथा संचालन प्रदेश कार्य समिति के सदस्य डॉक्टर नरेश सिंह ने किया।बैठक में संगठन के राष्ट्रीय सचिव नरेश सक्सेना ने कहा कि आज संगठन का विस्तार राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में हुआ।बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि संगठन का पत्रकारों की सुरक्षा, स्वाभिमान एवं सदाशयता के लिए सदैव काम करता है और विषम परिस्थिति के उनके साथ सदैव खड़ा रहता है।इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रान्तों में भी पत्रकार एसोसिएशन का काम तेजी से बढ़ा है।1982 से शुरु हुयी इस यात्रा में हमेशा पत्रकारों का हित का चिन्तन होता है। जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र अवाना ने इस अवसर पर संगठन के नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुयी कहा कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक और तहसील में संगठन विस्तार हेतु पूरा प्रयास करुँगा तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए काम करेंगे।बताते चले कि पत्रकारिता क्षेत्र में उनके योगदान और समर्पण के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दे कि धीरेन्द्र अवाना नोएडा के नयाबांस गांव के निवासी हैं। वे लंबे समय से पत्रकारों के हित के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।उनकी कार्यशैली और समर्पण को देखते हुए संगठन ने गौतम बुद्ध नगर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार हाकिम सिंह,उदय अवाना, जुनैद,संगीता चौधरी,प्रियंका शर्मा,पवन कुमार,संदीप कुमार, पंकजराज,गौरव,मंतोष, बलवीर, अशोक पंडित, सुरेश चौहान, नेमचंद चौधरी, पवन डेढ़ा, वीरेश शर्मा,परमजीत नागर आदि मौजूद रहे।

नोएडा मीडिया कप 2024 सीजन-2 का शानदार समापन, एक्टिव एनजीओ ने जीती खिताबी जंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आयोजित नोएडा मीडिया कप 2024 सीजन-2 का शानदार समापन शनिवार को हुआ। इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एनईए और एक्टिव एनजीओ की टीमों के बीच एक रोमांचक संघर्ष देखने को मिला, जिसमें एक्टिव एनजीओ की टीम 105 रनों से जीत हासिल कर चैंपियन बनी। इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें शामिल थीं, जिनमें नोएडा मीडिया क्लब, ग्रेटर नोएडा मीडिया क्लब, नोवरा, फोनरवा और नेटवर्क-10 जैसी टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला एक दिलचस्प और प्रतियोगी मैच साबित हुआ, जिसे एक्टिव एनजीओ ने बड़ी जीत के साथ खत्म किया। एक्टिव एनजीओ ने खड़ा किया 289 रनों का विशाल लक्ष्य फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर एनईए की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। एक्टिव एनजीओ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 289 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। इस शानदार पारी में कृष्ण यादव ने 49 गेंदों पर 122 रन बनाए, वहीं योगेश यादव ने 28 गेंदों में 63 रन बनाकर अपनी टीम का कुल स्कोर बढ़ाया। इसके अलावा, रोहित यादव ने मात्र 15 गेंदों पर 55 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसने टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया। एनईए की गेंदबाजी में अंकित, हेमंत, आबिद और वीरू ने एक-एक विकेट लिया, लेकिन एक्टिव एनजीओ की टीम के बल्लेबाजों के सामने उनकी गेंदबाजी थोड़ी फीकी साबित हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनईए की टीम ने पूरे मैच के दौरान संघर्ष किया, लेकिन वे सिर्फ 14.5 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 184 रन ही बना सकी। एक्टिव एनजीओ ने इस तरह से 105 रनों से जीत दर्ज की और नोएडा मीडिया कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। विजेता और उपवेजिताओं को किया पुरस्कृत फाइनल मैच में कृष्ण यादव को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि प्रदेश नेय्यर को 'फाइटर ऑफ द मैच' का अवार्ड दिया गया। टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए रोहित यादव को 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' और अंकित गुप्ता को 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' का पुरस्कार प्रदान किया गया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में प्रमुख अतिथियों के रूप में उद्योगपति डॉ. पीयूष द्विवेदी, एनएईसी के चेयरमैन ललित ठुकराल, उद्यमी डीडी तिवारी और मदरलैंड अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. बबित कुमार ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। नोएडा मीडिया क्लब की खेल समिति के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी और महासचिव लोकेश चौहान ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान एनईए के अध्यक्ष विपिन मल्हन, सुधीर श्रीवास्तव, वीके सेठ, नीरू शर्मा, रज्जन तिवारी, अशोक श्रीवास्तव, रंजन तोमर और अविनाश सिंह आदि मौजूद रहे।

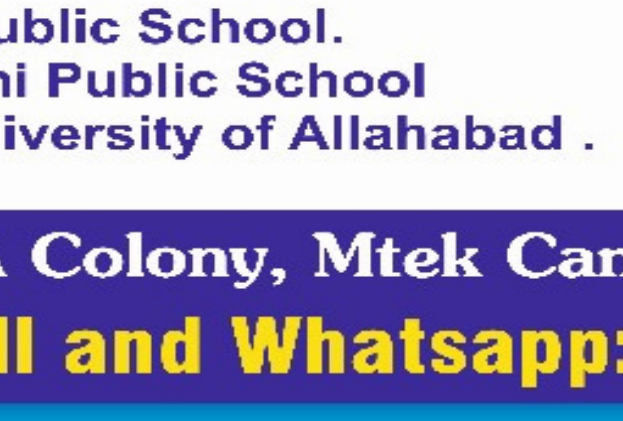

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट का दूसरा स्थापना दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नॉएडा। जेजे कॉलोनी सेक्टर-5, हरोला ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट का स्थापना दिवस पूजा हवन, केक काटकर सभी बच्चों को भोजन खिलाकर धूमधाम से मनाया गया! इस दौरान ट्रस्ट के संस्थापक भारती नेगी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ओर संस्थान के पिछले दो वर्ष के दौरान किए गए सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों की विश्वास दिलाया की भविष्य में भी ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देता रहेगा आए हुए मुख्य अतिथियों ने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए गए विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यों की सराहना की इस अवसर पर जरूरतमंद स्कूली छात्राओं को पुस्तक वितरित की गई भारती नेगी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य कर रहा है वह सराहनीय कदम है इस अवसर पर ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भारती नेगी, जीएस नेगी, प्रीति, रीना, शाहिद फहीम अहमद, आरती, राखी, पूजा, लता,आदि लोग उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

वायरल हो रहा पत्नी के साथ एस एस राजामौली का डांस मूव्स, फैंस बोले- 'बहुत वफादार हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । निर्देशक और पटकथा लेखक एस एस राजमौली का डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में उनकी पत्नी भी नजर आ रही हैं। निर्देशक और पटकथा लेखक एस एस राजमौली अपनी तेलुगु फिल्मों के कारण चर्चा में रहते हैं। उनका एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें निर्देशक अपनी पत्नी के साथ एक वीडियो में डांस करते नजर आ रहे हैं।रेड्डिट पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एस एस राजमौली अपनी पत्नी के साथ वीडियो में डांस कर रहे हैं। इस वीडियो को उनके प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, ठवह उ.र्ध्.ऊ. हैं। वह अपनी पत्नी के प्रति बहुत वफादार हैं और अपने काम पर बहुत ध्यान केंद्रित करते हैं।ठ एक अन्य ने लिखा, ठआदमी के पास कुछ मूव्स हैं, यार। अगर आप उनकी बैक स्टोरी जानते हैं, तो यह और भी प्यारा और अधिक संपूर्ण है।वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपनी अगली फिल्म 'एसएसएमबी 29'' में बिजी है। फिल्म में महेश बाबू नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अफ्रीका के जंगल में सेट किया जा सकता है। फिल्म में महेश बाबू का किरदार हिंदू देवता भगवान हनुमान से प्रेरित है इसलिए राजामौली की अगली निर्देशित फिल्म में अभिनेता का नया लुक देखना दिलचस्प होगा। उन्होंने इस फिल्म का लुक साझा किया है। 25 से अधिक फिल्मों में दिखाई दिए हैं।एसएस राजामौली ने 'छत्रपति', 'विक्रमारकुडु', 'यामाडोंगा', 'मगधीरा' और 'मर्यादा रमन्ना' जैसी फिल्में की हैं। 'ईगा' के बाद राजामौली 'बाहुबली', 'बाहुबली 2' और 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके हैं। साल 2016 में राजामौली को सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड, तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड, नंदी अवॉर्ड आदि से भी सम्मानित किया जा चुका है।

बड़ा खुलासा गली मोहल्ले के दोस्तों संग बनाया गैंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । कॉमेडियन सुनील पाल और अभिनेता मुश्ताक खान अपहरण मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मुख्यारोपी लवी पाल ने गली मोहल्ले के दोस्तों के साथ गैंग बनाया। इसके बाद नेटवर्क बॉलीवुड तक फैलाया गया। बिजनौर की गली मोहल्ले के अधिकांश कम पढ़े लिखे दोस्तों का गिरोह बनाकर मुख्यारोपी लवी पाल ने मुंबई के बॉलीवुड तक नेटवर्क फैला दिया। आरोपी छोटे कलाकारों को कार्यक्रम में आमंत्रित कर दिल्ली एयरपोर्ट बुलाते और उन्हें अगवा कर दो से पांच लाख रुपये तक की फिरौती वसूल लेते थे। गिरोह में छह महीने पहले बीएएलएलबी शशांक चौधरी की एंट्री हुई तो बड़े कलाकारों को अगवा करने की लिस्ट तैयार कर ली गई।गिरोह ने अभिनेता अरुण बख्शी, राजेश पुरी, मुश्ताक, सुनील पाल को अगवा कर वसूली की। अगला नंबर अभिनेता शक्ति कपूर का था। कॉमेडियन सुनील पाल की फिल्म 'कॉफी विद अलोन' में गिरोह का मास्टरमाइंड लवी पाल अपनी पत्नी गुड्डी के साथ मुंबई में गया था। लवी पाल के पिता जयपाल की 20 साल पहले मौत हो गई थी। मां और चाचा ने उसकी परवरिश की। वह बहुत शातिर है और बचपन से ऊंचे सपने देखकर लोगों को ठग लेता था। लवी पाल ने परिवार के लोगों को भी धोखा दिया। वर्ष 2016 में लवी पाल मुंबई में घूमने चला गया, जहां पर करीब दो-तीन महीने रुका। इस दौरान उसकी मुलाकात बॉलीवुड के कई कलाकारों से हुई। शुरुआत में लवी पाल के गैंग में आजिम, सबीउद्दीन, अर्जुन और एक रिश्तेदार था। 6 माह पूर्व जनकपुरी गाजियाबाद निवासी शशांक से लवी पाल की मुलाकात हुई। मेरठ व बिजनौर पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी इवेंट कंपनी की आगे एक साल की योजना के बारे में बताया है। कलाकार भी बदमाशों से छुटकारा पाने के बाद पुलिस को घटनाक्रम के बारे में नहीं बताते थे। यही वजह है कि फर्जी इवेंट कंपनी का नेटवर्क बढ़ता चला गया।

पाकिस्तान में धूमधाम से मनाई गई शोमैन की जयंती, पुश्तैनी हवेली में जुटे प्रशंसक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । कल शनिवार 14 दिसंबर को भारतीय सिनेमा के शोमैन राज कपूर की 100वीं जयंती मनाई गई। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी उनके प्रशंसकों ने इस मौके पर जश्न मनाया। भारतीय सिनेमा के महान निर्माता-निर्देशक व अभिनेता राज कपूर की 100वीं जयंती कल शनिवार 14 दिसंबर को धूमधाम से मनाई गई। कपूर परिवार ने इस मौके पर खास आयोजन रखा। भारतीय सिने हस्तियों और प्रशंसकों ने भी शोमैन को अपने-अपने तरीके से याद किया। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने भी राज कपूर को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज कपूर की 100वीं जयंती सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी खास तरह से मनाई गई। पेशावर स्थित कपूर हवेली पर प्रशंसकों ने केक काटा।राज कपूर का जन्म 14 दिसंबर, 1924 को पाकिस्तान के पेशावर में हुआ था। लिहाजा, उनकी जयंती पर वहां भी लोगों ने शोमैन को याद किया। एक्स पर मोहम्मद फहीम नाम के एक्स हैंडल से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें एक वीडियो है, जिसमें कपूर हवेली पर राज कपूर की 100वीं जयंती के अवसर पर केक काटा जा रहा है। इसके साथ लिखा है, 'जन्मदिन मुबारक हो राज कपूर! आज उनकी 100वीं जयंती पेशावर स्थित उनके जन्मस्थल कपूर हवेली में मनाई गई'। भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावी शख्सीयत में शुमार रहे राज कपूर के जन्मदिन के अवसर पर पेशावर स्थित कपूर हाउस पर प्रशंसकों का जमावड़ा लगा। लोगों ने केक काटकर खुशी मनाई। इस आयोजन में प्रतिभागियों ने राज कपूर और दिलीप कुमार के पुश्तैनी घरों के जीर्णोद्धार के लिए 100-100 मिलियन रुपए आवंटित करने की विश्व बैंक की घोषणा का भी स्वागत किया। दोनों घर किस्सा खानी बाजार के पास स्थित हैं। पाक-ईरान व्यापार एवं निवेश परिषद के सचिव मुहम्मद हुसैन हैदरी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज कपूर ने अपने करियर में आवारा, बरसात, श्री 420, संगम, मेरा नाम जोकर, राम तेरी गंगा मैली, सत्यम शिवम सुंदरम जैसी कालजयी फिल्में बनाईं। साल 1988 में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

बेटी लारा के जन्म के बाद बेहद भावुक हो गए थे वरुण धवन, बोले- जब एक आदमी पिता बनता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब उनकी बेटी लारा का जन्म हुआ था और वह पिता बने थे तो उसके बाद उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आए हैं।बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल ने जून 2024 में अपनी पहली संतान बेटी लारा का स्वागत किया। तब से, वरुण अपने काम और पालन-पोषण के बीच के संतुलन बनाने में व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वरुण ने पिता बनने के बाद के अपने अहसास और जिम्मेदारियों को लेकर खुलासा किया। इन दिनों वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में वरुण ने बताया कि एक लड़की के पिता बनने के बाद उनका जीवन कैसे बदल गया है। उन्होंने कहा कि जब कोई पिता बनता है, तो उसकी सोच पूरी तरह से बदल जाती है। वरुण ने कहा, ठजिस पल नताशा ने लारा को जन्म दिया, मेरे शरीर और आत्मा में पहला विचार यह आया- मैं अपने पिता के साथ इतना बुरा कैसे हो सकता हूं।बेबी जॉन के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू के दौरान वरुण धवन से पूछा गया कि एक बेटी का पिता होने के बाद जीवन कैसा होता है तो वरुण ने कहा, ठबेहद खास होता है एक पिता बनना, खासकर जब एक आदमी एक बेटी का पिता बनता है। वो बहुत ही अलग अहसास होता है। पूरा इंसान हिल जाता है, यह महसूस करते हुए कि आपकी सोच पूरी तरह से बदल जाती है। आपके दिमाग में आने लगती हैं।वरुण ने आगे कहा, ठजिस वक्त नताशा ने लारा को जन्म दिया, पहला विचार जो मेरे दिमाग और आत्मा में आया वह था- मैं अपने पिता के प्रति बुरा कैसे हो सकता हूं? कोई अपनी मां के साथ बुरी तरह कैसी बात कर सकता है, जिन्होंने 9 महीने मुझे पाला-खासकर यह देखने के बाद कि नताशा ने मेरे बच्चे के लिए क्या किया है।ठ वरुण ने आगे कहा कि यह एक पागलपन भरा और अद्भुत अनुभव था। बेटी होने से उन्हें जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और उन्हें पता चला कि एक पुरुष होने का क्या मतलब है। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म का डायलॉग, आ अब हाथ लगा के दिखा मेरी बेटी को।ङ्क सीधे उनके दिल से निकला था। काम की बात करें तो वरुण धवन, बेबी जॉन में नजर आएंगे। फिल्म में वरुण के अलावा वामिका गब्बी , कीर्ति सुरेश, जैकी श्रॉफ, सान्या मल्होत्रा और राजपाल यादव भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। कलीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं आशिका भाटिया फिल्मी करियर, पर्सनल लाइफ से लेकर नेट वर्थ तक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । आशिका भाटिया टीवी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। आज वह अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री का जन्म 15 दिसम्बर 1999 को सूरत, गुजरात में हुआ। अभिनेत्री को सोनी टीवी के शो 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी' में गुणवंत कौर अहलूवालिया के लिए पहचाना जाता है। वह सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उनकी छोटी बहन का भी किरदार निभा चुकी हैं। आशिका अभिनेत्री के साथ-साथ एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। आइए अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं। अभिनेत्री आशिका भाटिया आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। आइए इस मौके पर उनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों को जानते हैं। आशिका के करियर की शुरुआत 'मीरा' नाम के शो से हुई थी। उन्होंने इंडस्ट्री में एक बाल कलाकार के रूप में कदम रखा। उन्होंने 9 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने स्कूल भी छोड़ दिया। आशिका ने लगभग 12 किलो वजन कम करते हुए गजब का ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। आशिका भाटिया 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने इस शो में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट्स के तौर पर एंट्री ली थी। उन्होंने अपने बेबाक बोल और सिंपल गेम से फैंस का दिल जीत लिया था। गुजरात के सूरत में जन्मी आशिका के पिता राकेश भाटिया एक बिजनेसमैन थे। उनकी मां मीनू भाटिया एक सैलून चलाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री के माता पिता अलग हो गए थे और वह अपनी मां के साथ रहती हैं। आशिका के पिता का निधन 25 नवंबर 2024 को हो गया। आशिका भाटिया अभिनेत्री के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 6.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आशिका के नेट वर्थ की बात की जाए तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 14 करोड़ रुपये है।

अनीस ने सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने का मनाया जश्न, भूल भुलैया 3 की स्टारकास्ट भी शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने पर निर्देशक बज्मी ने मुंबई में एक शानदार पार्टी का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड की तमाम सिद्धार्थ, दीया मिर्जा जैसी तमाम नामचीन हस्तियों ने इस पार्टी की शोभा बढ़ाई।भूल भुलैया 3

अनीज बज्मी ने इसका जश्न मनाया। इस सेलिब्रेशन पार्टी में गोविंदा, कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, अर्जुन कपूर और बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की।अनीस बज्मी बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं और उन्हें आज वह किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। निर्देशक ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी आपार सफलता से कई इतिहास रचे। फिल्म इंडस्ट्री में 45 साल पूरे होने पर अनीज हस्तियों ने शिरकत की। शनिवार को अनीज ने अपने सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस जश्न में कार्तिक आर्यन, अर्जुन कपूर, सलमान खान, सुहाना खान समेत कई हस्तियां एक साथ नजर आईं। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो खूब जमकर वायरल हो रहे हैं। गोविंदा, कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, अर्जुन कपूर, सुष्मिता सेन, हुमा कुरेशी, साजिद नाडियावाला, जैकी श्रॉफ, सुहाना खान, बॉबी देओल, मलायका अरोड़ा, अनिल कपूर, अदिति राव हैदरी, की बात करें तो इस हॉरर कॉमेडी में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ती डिमरी ने मुख्य भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता। भूल भुलैया की तीसरी फ्रैंचाइजी को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसने भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक अनीस बज्मी ने हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 4 में अक्षय कुमार की वापसी की संभावना पर विचार किया। उन्होंने कहा कि यह एक रोमांचक सहयोग होगा।

भतीजे निर्वाण के जन्मदिन पर कड़ी सुरक्षा के साथ पहुंचे सलमान खान, पैपराजी को दिए पोज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । हाल ही में सोहेल खान के बेटे निर्वान खान के जन्मदिन की पार्टी रखी गई। पार्टी का आयोजन निर्वान की बुआ अर्पिता खान ने अपने नए रेस्तरां में किया, जहां सलमान खान धांसू अंदाज में नजर आए।खान परिवार का आयोजन हो और सलमान खान अपने खास अंदाज से रौनक न बढ़ाएं ऐसा कैसे हो सकता है भला? बीती रात भी कुछ ऐसा ही हुआ। मौका रहा सोहेल खान के बेटे निर्वान के जन्मदिन का। निर्वान के जन्मदिन पर बुआ अर्पिता खान ने पार्टी दी। उन्होंने अपने नए रेस्तरां में पार्टी रखी। इसमें बॉलीवुड की कई नामी हस्तियों ने शिरकत की। साथ ही सलमान खान भी रंग जमाते नजर आए। सलमान खान ने भतीजे निर्वान की बर्थडे पार्टी में चार चांद लगा दिए। भारी-भरकम सुरक्षा के साथ भाईजान जन्मदिन के आयोजन में पहुंचे। इसके बाद उन्होंने पैपराजी को पोज दिए और काफी शानदार अंदाज में फोटोज क्लिक कराए। ब्लू जींस और ब्लैक शर्ट में वे डैशिंग लुक में नजर आए। अभिनेता की एंट्री का एक वीडियो फोटोग्राफर के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया गया है, जो काफी वायरल हो रहा है। निर्वान खान, सोहेल खान और सीमा सजदेह के बेटे हैं। सोहेल खान और सीमा का तलाक हो चुका है। निर्वाण 24 साल के हो गए हैं।

दिलजीत ने चेस चैंपियन गुकेश को समर्पित किया चंडीगढ़ कॉन्सर्ट, पुष्पा 2 के इस डायलॉग पर ली चुटकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ इन दिनों दिल-लुमिनाटी टूर को लेकर चर्चा में हैं। कल शनिवार 14 दिसंबर को उन्होंने चंडीगढ़ में कॉन्सर्ट किया। इस दौरान वे 'पुष्पा 2' का जिक्र करते नजर आए।लोकप्रिय गायक दिलजीत दोसांझ दिल-लुमिनाटी टूर पर हैं। वे अलग-अलग शहरों में कॉन्सर्ट कर रहे हैं, जहां उन्हें सुनने वालों की अपार भीड़ उमड़ रही है। अपने कॉन्सर्ट शो में दिलजीत अपनी गायिकी से तो समां बाध ही रहे हैं, साथ ही वे कई मजाकिया बातों से भी फैंस का मनोरंजन करते दिखते हैं। हाल ही में वे चंडीगढ़ कॉन्सर्ट के दौरान फिल्म 'पुष्पा 2' का डॉयलॉग अपने अंदाज में बोलते दिखे। गायक ने अपना यह कॉन्सर्ट इंटरनेशनल चेस फेडरेशन वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश को समर्पित किया है। शनिवार को चंडीगढ़ में अपने कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने कहा कि वे अपना यह शो गुकेश को डेडिकेट करना चाहते हैं, जिन्होंने सबसे युवा शतरंज का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया है। इस दौरान वे गुकेश की तारीफ करते दिखे। दिलजीत ने शो के दौरान कहा, 'आज का शो विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश को समर्पित है। क्या आप जानते हैं कि यह उन्हें क्यों समर्पित है? क्योंकि आप जीवन में जो भी सोचते हैं, वह बनते हैं। उन्होंने पहले से ही विश्व चैंपियन बनने के बारे में सोचा और बन गए। दिक्कतें तो आती हैं, मैं भी रोज समस्याओं से दो-चार होता हूं, लेकिन जो चुनौतियों का सामना करना जानता है, वह मंजिल तक पहुंच जाता है'।दिलजीत दोसांझ ने कॉन्सर्ट में गुकेश के बाद अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2' का जिक्र किया और फिल्म का एक चर्चित संवाद बोलते दिखे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।